khabardrishtikon@gmail.com https://khabardrishtikon.com/ https://l.facebook.com khabardrishtikon.com

KD NEWS सच का सामना

लखनऊ

सोमवार –02 अक्टूबर 2023

वर्ष : 02 – अंक : 336

पृष्ठ–8 मूल्य – 1: 00 रूपये

आरएनआई :

UPHIN/2021/82210

हिन्दी दैनिक

खबर

समाचार ही नहीं, विश्वास भी...

दृष्टिकोण

2 समाज कल्याण विभाग द्वारा `अंतरराष्ट्रीय वृद्ध जन दिवस'...

3 दिसम्बर तक प्रदेश के समस्त गांव परिवहन सेवा से जुड़ेंगे...

5 राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश के स्तर से 22 जनपदों में.....

मालदीव के नए राष्ट्रपति होंगे मोहम्मद मुइज्जू, चीन से गहरा कनेक्शन; भारत के लिए टेंशन की बात ?

राष्ट्रपति का चुनाव जीतने से पहले मुइज्जू मालदीव के माले शहर के मेयर हैं। इस दौरान वह चीन के साथ गहरे संबंधों की कई बार वकालत कर चुके हैं।

नई दिल्ली। मालदीव में हुए राष्ट्रपति चुनाव में मोहम्मद मुइज्जू ने जीत हासिल की है। मालदीव के ये चुनाव परिणाम भारत को टेंशन में डाल सकते हैं। क्योंकि मुइज्जू चीन समर्थक माने जाते हैं। उन्होंने निवर्तमान राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह को करारी शिकस्त दी। इससे पहले 2018 में सोलिह ने मुइज्जू की पार्टी के नेता और पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल यामीन को हराकर सत्ता हासिल की थी। अब्दुल यामीन पर बड़े पैमाने पर चीनी ऋण लेने और भारत की उपेक्षा करने के आरोप थे। भ्रष्टाचार के आरोप में वह पहले से जेल में बंद हैं। मुइज्जू ने राष्ट्रपति बनने के बाद पहली प्रतिक्रिया में यामीन की रिहाई के आदेश दिए। मुइज्जू वही नेता हैं, जिन्होंने पिछले साल चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के अधिकारियों के साथ एक बैठक में कहा था कि उनकी वापसी दोनों देशों के बीच मजबूत संबंधों का एक नया अध्याय लिखेगी । चीन को मालदीव के इलेक्शन परिणामों की प्रतिक्षा थी। मोहम्मद मुइज्जू की जीत ने चीन को मालदीव पर

कूटनीतिक सफलता दिलाई है। उन्होंने अंतिम मुकाबले में 54.06 प्रतिशत वोट हासिल किए, जिससे निवर्तमान राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह को आधी रात से कुछ देर पहले हार स्वीकार करनी पड़ी।

मुइज्जू का जीतना चिंता कैसे

राष्ट्रपति का चुनाव जीतने से पहले मुइज्जू मालदीव के माले शहर के मेयर हैं। इस दौरान वह चीन के साथ गहरे संबंधों की कई बार वकालत कर चुके हैं। पिछले साल चीनी नेताओं के साथ एक बैठक में उन्होंने कहा था कि अगर उनकी पार्टी सत्ता में वापसी करती है तो वे दोनों देशों के बीच मजबूत संबंधों का नया अध्याय लिखेंगे।

मुइज्जू की पार्टी, पीपुल्स नेशनल कांग्रेस ने चुनाव प्रचार के दौरान सोलिह पर भारतीय हितों को जोर देने आरोप लगाया था। वह अपने गुरु और पूर्व राष्ट्रपति यामीन की तरह चीनी हितों को बढ़ावा देने और भारत के साथ संबंधों को सीमित करने के पक्षधर रहे हैं। जबकि, सोलिह के मुताबिक, मालदीव में भारतीय सेना की मौजूदगी केवल दोनों सरकारों के बीच डॉकयार्ड निर्माण का समझौता भर है। इससे मालदीव की समप्रभुता पर कुछ प्रभाव नहीं पड़ेगा।

भारत की बढ़ाएंगे टेंशन? चुनाव प्रचार और मेयर रहने के दौरान हालांकि मुइज्जू भारत के खिलाफ बयानबाजी जरूर देते रहे हैं लेकिन, हकीकत यह है कि अब सत्ता संभालने के दौरान वह भारत की अनदेखी नहीं कर सकते। भारत को नजरअंदाज कर अपनी विदेश नीति पर आगे बढ़ना उन्हें नुकसान दे सकता है। हालांकि यह संभावना ज्यादा है कि वह भारत की अपेक्षा चीनी परियोजनाओं को ज्यादा हित और तवज्जो दें। बता दें कि मालदीव पूर्व और पश्चिम के बीच मुख्य शिपिंग मार्ग पर स्थित हिंद महासागर में 1,200 मूंगा द्वीपों से बना देश है।

चीन की दोस्त मुइज्जू की पार्टी

45 वर्षीय मुइज्जू उस पार्टी का नेतृत्व करते हैं, जिसने मालदीव में सत्ता संभालने के दौरान चीनी ऋणों की आमद की अध्यक्षता की थी। 2023 का मालदीव चुनाव भारत और चीन दोनों देशों के लिए काफी अहम था। अल जजीरा के मुताबिक, मौजूदा राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह को 46त्न वोट मिले थे और मुइज्जू ने 18,000 से अधिक वोटों से जीत हासिल की थी।

कर्नाटक-तमिलनाडु के बीच कावेरी जल विवाद पर चिदंबरम ने दिया यह सुझाव, क्या हल होगी समस्या?

शिवगंगा। पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस सांसद पी. चिदंबरम ने कर्नाटक और तमिलनाडुके बीच कावेरी जल विवाद को लेकर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर निर्णय लेने के लिए एक आयोग है, जिसके फैसले पर दोनों राज्यों को काम करना होगा।

'आयोग के फैसले पर दोनों राज्यों को काम करना होगा'

न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक, पी चिदंबरम ने कहा कि मैं तमिलनाडु से सांसद हूं। इसलिए मैं तमिलनाडु की मांगों पर दबाव डाल सकता हूं। कर्नाटक के सांसद कर्नाटक की मांगों पर दबाव डालेंगे, लेकिन इस मुद्दे पर निर्णय लेने के लिए एक आयोग है, जिसके फैसले पर दोनों राज्यों को कार्य करना होगा।

क्या है मामला?

गौरतलब है कि कावेरी नदी के जल बंटवारे को लेकर कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच विवाद चल रहा है। नदी को दोनों राज्यों के लोगों के लिए जीविका का प्रमुख स्रोत माना जाता है। सीडब्ल्यूआरसी ने कर्नाटक को 28 सितंबर से 15 अक्टूबर तक तीन हजार क्यूसेक पानी तमिलनाडु को देने का आदेश दिया था। इससे पहले, छोड़े जाने वाले पानी की मात्रा पांच हजार क्यूसेक थी।

कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच आरोप-प्रत्यारोप

एएनआई के मुताबिक, कर्नाटक ने तमिलनाडु को नदी का पानी देने से मना कर दिया है। उसने इसके पीछे अपने राज्य के कुछ हिस्सों में आए सूखा का हवाला दिया है। वहीं, तमिलनाडु का आरोप है कि कर्नाटक सरकार झूठ बोल रही है।

सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करेगी कर्नाटक सरकार

कर्नाटक के मुख्यमंत्री एम सिद्दरमैया का कहना है कि राज्य सरकार कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण और सुप्रीम कोर्ट के सामने एक याचिका दायर करेगी, क्योंकि हमारे पास पानी नहीं है। इसलिए वह तमिलनाडु को पानी नहीं जारी कर सकती।

कर्नाटक के किसान कर रहे विरोध प्रदर्शन

सीडब्ल्यूएमए ने कर्नाटक को तमिलनाडु को पांच हजार क्यूसेक पानी देने का आदेश दिया था, जिसके बाद से कर्नाटक के किसान विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ ने भी इस आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है।

फ्री कश्मीर और भगवा जलेगा, जेएनयू की दीवारों पर विवादित स्लोगन

पीएम नरेंद्र मोदी पर भी टिप्पणी

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय यानी एक बार फिर चर्चा में है। अब जेएनयू की दीवारों पर विवादित नारे लिखे गए हैं। बताया जा रहा है कि विश्वविद्लाय की दीवारों पर फ्री कश्मीर और भगवा जलेगा जैसे नारे लिखे गए हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जेएनयू की दीवार पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बीजेपी के खिलाफ भी आपत्तिजनक बातें लिखी गई हैं। देश के एक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय की दीवारों पर यह नफरत भरी बातें किसने लिखी हैं, अभी इसे लेकर कोई जानकारी सामने नहीं आई हैं। लेकिन इन सब के बीच कुछ मीडिया रिपोर्ट में बताया जा रहा है कि यह स्लोगन लाल और नीले रंग से लिखे गए हैं। कई जगहों पर फर्श पर भी नीले पेंट से विवादित बातें लिखी गई हैं। जेएनयू के स्कूल ऑफ लैंगवेज

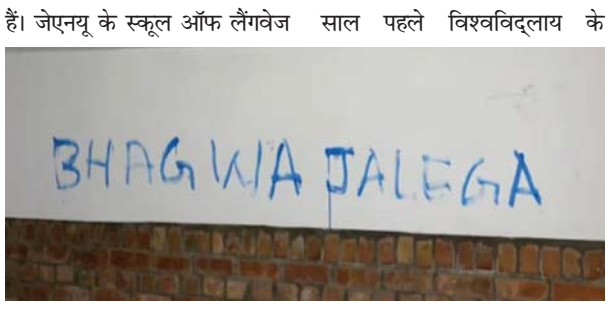

की दीवारों पर यह बातें लिखी गई हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, इन दीवारं और फर्श पर फ्री कश्मीर, आईओके (भारत अधिकृत कश्मीर), भगवा जलेगा, मोदी तेरी कब्र खुदेगी जैसी बेहद ही आपत्तिजनक बातें लिखी गई हैं। आपको बता दें कि जेएनयू कई बार विवादों में आ चुका है। करीब एक साल पहले विश्वविद्लाय के इंटरनेशनल स्टडीज की दीवारों पर ब्राह्मण और बनिया को लेकर विवादित बातें लिखी गई थीं। इसे लेकर भी काफी विवाद हुआ था। विश्वविद्यालय के कुछ शिक्षकों के नेम प्लेट पर कालिख भी पोती गई थी। इससे पहले जेएनयू में कथित तौर से देश-विरोधी नारे भी लगे थे। इसे लेकर भी काफी विवाद हुआ था।

स्वच्छता के लिए श्रमदान : अहमदाबाद में अमित शाह, गुरुग्राम में अश्विनी वैष्णव ने लगाई झाड़ू

नई दिल्ली। महात्मा गांधी की 154वीं जयंती से पहले आज देशभर में स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत श्रमदान किया जा रहा है। मंत्री, नेता सहित आम लोग सुबह से ही स्वच्छता अभियान में भाग लेने के लिए बढ़-चढ़कर आगे आ रहे।

शाह ने लिया श्रमदान कार्यक्रम में भाग

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अहमदाबाद में 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के तहत 'स्वच्छता के लिए श्रमदान' कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने यहां झाड़ू लगाई।

14 मिनट का क्लीन-अप प्रोटोकॉल तैयार

वहीं, केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हरियाणा के गुरुग्राम में 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान में भाग लिया। उन्होंने कहा, 'वंदे भारत

ट्रेनों के लिए 14 मिनट का क्लीन-अप प्रोटोकॉल तैयार किया गया है। आज यह 35 स्थानों पर शुरू होगा और फिर बाद में इसे आगे बढ़ाया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री रविशंकर ने लगाई झाड़ू

भाजपा नेता व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने पटना में स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत आयोजित सफाई अभियान में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि यह एक राष्ट्रीय कार्यक्रम है। इस अभियान में भारत सरकार और अन्य वकीलों ने हिस्सा लिया।

उन्होंने कहा, 'जब वकील मेरे मोहल्ले में आए, तो मेरा भी कर्तव्य बनता है कि मैं भी सफाई करूं। यहां सफाई करने के बाद अब मैं कालीघाट पटना जाऊंगा और स्वच्छता अभियान में भाग लूंगा।'

उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत देश के लिए महत्वपूर्ण है। एक मन की बात कहूंगा कि देश जागता है, जगाने वाला चाहिए। आज पीएम मोदी ने एक आह्वान किया पूरा देश झाड़ू लेकर निकल गया, जो अच्छी बात है। इसी तरह देश को आगे बढ़ाना है।

इन लोगों ने भी लिया भाग

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी ने दिल्ली में स्वच्छता अभियान में भाग लिया। केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी ने कहा, हमने अंबेडकर बस्ती इलाके को साफ-सुथरा रखने के लिए लगातार काम किया है।

शिंदे ने बच्चों से की बातचीत -मुंबई में बीएमसी द्वारा आयोजित स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम में भाग लेने पहुंचे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बच्चों से बातचीत की।

किलारी के भूकंप ने देश को आपदा प्रबंधन का गुर सिखाया

● पवार ने किलारी गांव में भूकंप कार्रवाई समिति द्वारा आयोजित आभार पुरस्कार समारोह में अपने विचार साझा किये कहा, मैंने जो काम किया, वह एक जिम्मेदारी थी। हजारों लोगों ने मदद के लिए हाथ बढ़ाया था। ऐसे कई व्यक्ति और संगठन थे, जिन्होंने दान दिया था।

लातूर। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) अध्यक्ष शरद पवार ने कहा है कि 1993 में किलारी में महसूस किए गए भूकंप की वजह से देश ने आपदा प्रबंधन का गुर सीखा और व्यक्तिगत स्तर पर उन्हें भविष्य के सभी संकटों का सामना करने का साहस मिला।

श्री पवार ने शनिवार को किलारी गांव में भूकंप कार्रवाई समिति द्वारा आयोजित आभार पुरस्कार समारोह में अपने विचार साझा किये कहा, मैंने जो काम किया, वह एक जिम्मेदारी थी। हजारों लोगों ने मदद के लिए हाथ बढ़ाया था। ऐसे कई व्यक्ति और संगठन थे, जिन्होंने दान दिया था। भूकंप के दो घंटे के भीतर, मैं लातूर के तत्कालीन संरक्षक मंत्री विलासराव देशमुख, धाराशिव के संरक्षक मंत्री डॉ. पद्मसिंह पाटिल के साथ किलारी पहुंचा था।

उन्होंने कहा, मैं कामकाजी संगठनों, अधिकारियों और व्यक्तियों के प्रति आभार व्यक्त करना चाहता हूं। उन्होंने शांतिलाल मुथा को भी विशेष सम्मान से नवाजा। श्री मुथा ने भूकंप में अपने माता-पिता को खोने वाले सैकड़ों बच्चों की देखभाल की।

इस बार ठंड में भी कटौती करेगा मौसम, बढ़ सकते हैं गरमी वाले दिन

नई दिल्ली। देश के बड़े हिस्से से मॉनसून विदा हो चुका है। सितंबर के आखिरी दिन पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेशष दिल्ली, हिमाचल, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान से मॉनसून की विदाई हो गई। अल नीनो इफेक्ट के बाद भी इस बार 94 फीसदी बारिश दर्ज की गई। आम तौर पर अल नीनों की वजह से 25 फीसदी तक कम बारिश हो जाती है हालांकि इस बार 6 फीसदी ही कम बारिश हुई। हालांकि अल नीनो का प्रभाव अभी खत्म नहीं होने वाला है। मौसम विभाग का कहना है कि इस बार ठंड में भी कटौती होने वाली है। मौसम विभाग के महानिदेशक डॉ. मृत्युंजय महापात्र ने कहा कि अल नीनो इस बार सर्दियों तक बना रहेगा। दिसंबर से मार्च 2024 तक अल नीनो की संभावना 95 फीसदी तक ज्यादा

है। ऐसे में इस बार सर्दियों के दिन कम हो सकते हैं। वहीं सर्द हवाएं भी कम चल सकती हैं। सर्दी कम होने से गरमी के दिनों में बढ़ोतरी भी देखी जा सकती है।

डॉ. महापात्र ने कहा कि इस बार अल नीनो का असर कम ही रहा है। आम तौर पर अल नीनो की वजह से बारिश में 10 से 25 फीसदी की कमी आ जाती है और सूखा पड़ जाता है। हालांकि ज्यादा गंभीर स्थिति नहीं बनी। इसके पीछे तीन मौसमी घटनाएं हैं। उन्होंने कहा कि इस बार इंडियन ओशन डायपोल, लो प्रेशर सिस्टम और मैडन जुलियन ओसिलेशन की वजह से बारिश में ज्यादा कमी नहीं आई। मौसम विभाग का कहना है कि इस बार 30 सितंबर तक 820 मिमी बारिश दर्ज की गई जो कि आम तौर पर 868 मिमी होती है। मध्य भारत में सामान्य बारिश हुई है। वहीं पूर्वी और पूर्वोत्तर क्षेत्र में बारिश में सबसे ज्यादा कमी दर्ज की गई। इस क्षेत्र में 18 फीसदी कम बारिश हुई। उत्तर पश्चिम में सामान्य से 1 फीसदी ज्यादा और दक्षिण भारत में 8 फीसदी कम वर्षा दर्ज की गई।

सीएम योगी ने नैमिषारण्य में लगाई झाड़ू

तीर्थ स्थल के लिए रुपए की कमी नहीं : योगी

लखनऊ (संवाददाता)। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को 88 हजार ऋषियों की तपोभूमि नैमिषारण्य पहुंचे। उन्होंने चक्रतीर्थ पहुंचकर दर्शन पूजन किया और संतों व पुरोहितों के साथ वार्ता की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तीर्थस्थल पर झाड़ू लगाकर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि नैमिषारण्य के विकास के लिए रुपए की कमी नहीं है। हम यहां इतना रुपए देना चाहते हैं कि नैमिषारण्य की वैदिक और पौराणिक काल से जो पहचान है, वह फिर से स्थापित हो सके। उन्होंने कहा कि राजधानी लखनऊ के नजदीक होने के बाद भी पहले नैमिषारण्य की स्थिति दीपक तले अंधेरा जैसे थी। हम लोगों ने यहां कई कार्य कराए। लखनऊ से नैमिषारण्य के कारण इलेक्ट्रिक बस सेवा प्रारंभ होने जा रही है। लखनऊ से यहां के लिए हेलिकॉप्टर सेवा भी शुरू कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम नैमिषारण्य का विकास कर रहे हैं। सड़कों चौड़ीकरण कराया जा रहा है। जनसुविधाओं को तेजी से बढ़ाने का काम जारी है। जन सुविधाये बढ़ने से आसपास के लोग तो यहां के बारे में और जानेंगे, पूरे देश से लोग नैमिषारण्य पहुंचेंगे। पूरे देश से लोग नैमिषारण्य आना चाहते हैं। अयोध्या में भगवान राम के भव्य मंदिर निर्माण के बाद यह संभावनाएं और तेजी से आगे बढ़ सकेंगी। नैमिषारण्य के लिए यह अहम अवसर है। मुख्यमंत्री ने

कहा कि इसके लिए हमें मिलकर स्वच्छता संबंधी बेहतर माहौल बनाना होगा। सबको मिलकर इसकी शुरुआत करनी होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज पहली आवश्यकता स्वच्छता है। स्वच्छ प्रदेश होगा तो लोग आकर देखेंगे, उनको अच्छा अनुभव होगा। प्रदेश के आध्यात्मिक स्थलों, तीर्थ स्थानों को स्वच्छ बनाना हमारी पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। नदी के तट से लेकर सार्वजनिक स्थल, सरकारी कार्यालय, भीड़ भाड़ वाले स्थान आदि सभी जगह स्वच्छता के प्रति सभी लोगों को जागरूक होना पड़ेगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्लास्टिक को पूरी तरह मुक्त करना होगा, इससे हमें दूरी बनानी होगी। इसके बहुत विकल्प हैं उसे हमें स्वीकार करना होगा। लोकसभा चुनाव की तैयारियों और विपक्षी दलों की सक्रियता के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का नैमिषारण्य दौरा अहम माना जा रहा है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है, उ0प्र0 राजधानी लखनऊ से प्रकाशित राष्ट्रिय हिंदी दैनिक समाचार पत्र खबर दृष्टिकोण ,वेब पोर्टल व चैनल को मंडल स्तर/जिला स्तर/तहसील स्तर व ब्लाक स्तर पर पार्टनर/क्षेत्रीय पार्टनर/ब्यूरो/सवांददाता की। पत्रकारिता जगत से जुड़ने के लिए इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करे ।

संपर्क नं.

8840277268 / 522–4073793

ई मेल–

khabardrishtikon@gmail.com

Website :

www.khabardrishtikon.com

Off Add- 6A/101,Sector&6 Vrindavan Yojana Rai Bareli Road Lucknow.

समाज कल्याण विभाग द्वारा 'अंतरराष्ट्रीय वृद्ध जन दिवस' पर वृद्धजनों का किया गया सम्मान

कार्यक्रम में कविता पाठ के साथ प्रस्तुत किया गया भजन।

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस (दादा दादी–नाना नानी) पर रविवार को समाज कल्याण विभाग द्वारा, हेल्पेज इंडिया और वरिष्ठ नागरिक महासमिति के तत्वावधान में भागीदारी भवन में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री बृजेश पाठक, उप–मुख्यमंत्री उप्र सरकार रहे। इस मौके पर अति विशिष्ट अतिथि असीम अरुण, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) समाज कल्याण विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार, पवन कुमार, निदेशक, समाज कल्याण विभाग, पद्मश्री डॉ. विद्या विंदु सिंह, श्याम पाल सिंह, अध्यक्ष, वरिष्ठ नागरिक महासमिति, ज्योत्सना अरुण, एके सिंह, निदेशक, हेल्पेज इंडिया मौजूद रहे। सभी अतिथियों ने कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्जवलन करके किया। कार्यक्रम के पहले सत्र में मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण द्वारा 100 वर्ष पूरा कर चुके राम लखन अवस्थी, जगदीश प्रसाद को शतायु सम्मान से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही ऐसे वरिष्ठ नागरिकों को, जो 75 वर्ष से अधिक आयु पूरा कर चुके हैं और समाज में रचनात्मक योगदान दे रहे हैं, उन्हें श्स्वर्ण आयु विशिष्ट सेवा सम्मानश प्रदान करते हुए आशीर्वाद प्राप्त किया गया। कार्यक्रम के दौरान चंद्रमा प्रसाद द्वारा कविता पाठ और वरिष्ठ नागरिक समिति के श्री केसी मिश्रा द्वारा भजन प्रस्तुत किया गया।

55 लाख वरिष्ठजनों को दी जा रही पेंशन

विशिष्ट अतिथि असीम अरूण, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) समाज कल्याण विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार ने कहा कि पूरे देश में केंद्र और राज्य सरकार सबका साथ, सबका विकास के संकल्प के साथ काम कर रही है। योगी सरकार वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य, सुरक्षा, सम्मान के लिए प्रतिबद्ध है। वरिष्ठ नागरिकों का ध्यान रखते हुए समाज कल्याण विभाग द्वारा माता–पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण पोषण तथा कल्याण अधिनियम और राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन की व्यवस्था की गई है। समाज कल्याण विभाग द्वारा 55 लाख वरिष्ठजनों को पेंशन दी जा रही है। वहीं 4 लाख वरिष्ठजनों को पेंशन से जोड़ा है।

अस्पताल में जरूरत पड़ने पर सहयोग का दिलाया भरोसा

मुख्य अतिथि बृजेश पाठक, उप–मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार ने आशीर्वचन देते हुए सभा में कहा कि हमारी सनातन संस्कृति के पीछे वरिष्ठजनों का हाथ है। बगैर वरिष्ठजनों के न ही हमारा समाज चल सकता है न ही हम कुछ कार्य कर सकते हैं। यही वजह है कि आज हमारी संस्कृति बदली नहीं है बल्कि वरिष्ठजनों के सहयोग से मजबूत होती जा रही है, जिससे आज भारत देश दुनिया के पैमाने पर आगे बढ़ रहा है। यह हम सभी की जिम्मेदारी है कि हम सभी बुजुर्गों को मुख्यधारा से जोड़े रखें। उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि अस्पताल में जरूरत पड़ने पर वह वरिष्ठजनों के सहयोग के लिए हमेशा खड़े रहेंगे।

बच्चों और युवाओं ने ली प्रतिज्ञा

कार्यक्रम के दूसरे सत्र में सीएमएस, आरडीएसओ शाखा के बच्चों और युवाओं ने वरिष्ठजनों का सम्मान करने की प्रतिज्ञा ली। सीएमएस के छात्रों ने श्अपने मां–बाप का तू दिल न दुखाश पर मनमोहक कव्वाली प्रस्तुत किया।

जेल में निरुद्ध पति पत्नी की पैरवी करना अधिवक्ता को पड़ा महंगा , विपक्षियों द्वारा मिली जान से मारने की धमकी

खबर दृष्टिकोण

आलमबाग। कृष्णा नगर कोतवाली क्षेत्र में रहने वाली एक महिला अधिवक्ता को लखनऊ जिला कारागार में बंद दम्पति की पैरवी करना भारी पड गया। पीडित दम्पति के विपक्षियों ने जेल में बंद दम्पति की पैरवी करने पर महिला अधिवक्ता को फोन पर जान से मारने की धमकी दी है। कानपुर रोड एलडीए कॉलोनी सेक्टर डी 1 में रहने वाली महिला अधिवक्ता नीरज सिंह के मुताबिक पारा थाने में दर्ज मुकदमे के आरोपी जेल में बंद दम्पति राजू व उसकी पत्नी सुमन की पैरवी कर रही है। जो बीते 10 फरवरी से जिला कारागार लखनऊ में बंद है । आरोप है कि विपक्षी मोहित, रोहित, पूनम व उपेन्द्र निवासी सरोसा भरोसा पारा रंजिश रखते हैं। बीते 20 सितम्बर को मोहित, रोहित से दूरभाष पर बात कर अपने मुवक्किल के प्लाट पर कब्जे के लिये पूंछा तो मोहित व रोहित ने उन्हें जान से मारने की धमकी देने के साथ पुनः अधिवक्ता के फोन पर दोबारा फोन किया। काल रिसीव करने पर मोहित व पूनम नामक महिला ने पीडिता को काट कर फिकवाने की धमकी दी है। जिसकी रिकार्डिंग अधिवक्ता ने अपने फोन में कर ली। अधिवक्ता ने ।अपने साथ कोई अप्रिय घटना की आशंका जता पुलिस से लिखित शिकायत की है। पुलिस के मुताबिक पीडिता की शिकायत पर धमकी की धारा में मुकद दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

अधेड़ ने मंदबुद्धि किशोर के साथ किया दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में अधेड़ ने किशोरी को पैसो का लालच देकर बहला फुसलाकर अपने साथ ले जाकर किया दुष्कर्म,आरोपी गिरफ्तार

खबर दृष्टिकोण

मोहनलालगंज। मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में रविवार को मंदबुद्धि किशोरी को पैसो का लालच देकर अधेड़ ने उसे एक प्लाटिंग साइड में बनी कोठरी में ले जाकर दुष्कर्म किया,पीड़ित किशोरी की चीख–पुकार सुनकर मौके पर पहुंचे दुकानदारो ने मौके से भाग रहे आरोपी अधेड़ को पकड़कर चौकी ले जाकर पुलिस के हवाले करते हुये पीड़िता के परिजनो को सूचना दी।पीड़ित किशोरी की भाभी की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी अधेड़ के विरुद्ध दुष्कर्म समेत पाक्सो एक्ट की धारा में मुकदमा दर्ज किया।मोहनलालगंज के एक गांव निवासी महिला ने बताया उसकी 15वर्षीय ननद मंदबुद्धि है,रविवार की सुबह 11:00 बजे के करीब उसके घर के बगल में अपनी मामी के घर रहने वाले अधेड़ महेश प्रसाद निवासी मिर्जापुर थाना सुशान्त गोल्फ सिटी जो कि नशेड़ी प्रवृत्ति का है,ननद को पैसे देने का लालच देकर बहला फुसलाकर अपने साथ गोसाईगंज–मोहनलालगंज मार्ग पर स्थित एक निजी प्लाटिंग साइड में बनी कोठरी में ले जाकर निर्वस्त्र कर जबरन दुष्कर्म किया,ननद की चीख–पुकार सुनकर सड़क पर फल का ठेला लगाने वाले दुकानदार समेत अन्य लोगो ने मौके पर पहुंचकर भाग रहे आरोपी महेश को पकड़कर खुजौली चौकी ले जाकर पुलिस के सुपुर्द कर पीड़िता के परिजनो को सूचना दी।जिसके बाद परिजन मौके पर पहुंचें तो हड़कम्प मच गया।इंस्पेक्टर संतोष कुमार आर्य ने बताया पीड़ित किशोरी की भाभी की तहरीर पर आरोपी के विरूद्ध दुष्कर्म व पॉक्सो एक्ट की धाराओ में मुकदमा दर्ज कर किशोरी को मेडिकल के लिये जिला अस्पताल भेजा गया हैं।

पीड़ित किशोरी के माता–पिता की पांच साल पहले हो चुकी है मौत....

अधेड़ की हवस का शिकार बनी पीड़ित मंदबुद्धि किशोरी के माता–पिता की पांच साल पहले मौत हो चुकी है जिसके बाद से किशोरी अपने भाई–भाभी के पास रहती है ओर मंदबुद्धि होने के कारण इधर उधर टहला करती है,जिसका फायदा उठाकर पड़ोस में अपने मामाध के घर रहने वाले नशेड़ी अधेड़ ने बहला फुसलाकर उसे अपने साथ ले जाकर दुष्कर्म किया ओर मुंह खोलने पर जान से मारने की धमकी भी दी।

अखिल भारतीय किन्नर महासम्मेलन में देश के कई प्रांतो से हजारो की संख्या में किन्नरों ने ली भागेदारी

जनमानस की भलाई के लिए आयोजित किया गया है किन्नर महासम्मेलन आगामी 4 अक्टूबर को कुलदेवी के पूजा पश्चात् निकाली जाएगी भव्य शोभयात्रा

खबर दृष्टिकोण

आलमबाग। अखिल भारतीय किन्नर समाज द्वारा 27 अक्टूबर से आयोजित दस दिवसीय किन्नर महासम्मेलन कृष्णा नगर के अवस्थी लॉन में आयोजित किया जा रहा है। इस सम्मलेन में देश के विभिन्न प्रांतो दिल्ली, मुंबई , पुना , पश्चिम बंगाल पंजाब हरियाणा समेत भारत के अन्य कई प्रांतो से करीब चार हजार किन्नरों ने अपनी भागीदारी प्रस्तुत कर सम्मलेन में सम्मलित हुए। किन्नर सम्मलेन में किन्नरों द्वारा मंच से विभिन्न प्रकार के रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए आयोजनकर्ता सुधा तिवारी ने

बताया कि पूर्व के भांति ही इस बार आमजनमानस खुशहाली उद्देश्य से यह सम्मलेन आयोजित किया गया है। जेंडर के अनुपात में हमें समाज में घृणित निगाहो से देखा जाता है किन्तु किन्नर समाज हमेशा समाज के उत्थान के लिए प्रयासरत रहता है। दस दिनों के इस सम्मलेन में प्रत्येक दिन विभिन्न प्रकार के आयोजन किये जाते है। इसी क्रम में आगामी 4 अक्टूबर को प्रातः हम सभी अपनी कुलदेवी माँ बहुचरण एवं माँ दुर्गा की उपासना कर माँ को चांदी का मुकुट एवं चांदी का घंटा चढ़ाया जायेगा जिसके पश्चात चांदी के कलश सर पर रख आयोजन स्थल से कृष्णा नगर बाराबिरवा तक जुलुस निकाला जायेगा। आगामी छः अक्टूबर को सम्मलेन का विधिवत समापन किया जायेगा।

जिलाधिकारी ने पांच बुजुर्ग मतदाताओं को किया सम्मानित

नई पीढ़ी को ऐसे संस्कार दें जिससे वो अपने परिवार के बुजुर्गो का सम्मान करें-गौरी शंकर वर्मा

खबर दृष्टिकोण

उरई जालौन। अंतर्राष्ट्रीय वृद्ध दिवस पर राठ रोड वृद्धाश्रम में सदर विधायक गौरी शंकर वर्मा व जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक ईरज राजा ने बुजुर्गों को पुष्प गुच्छ देकर शाल उड़ाकर व अंग वस्त्र चश्मा देकर सम्मानित किया। सदर विधायक ने कहा कि परिवार और समाज में बुजुर्गों का सम्मान होना चाहिए नई पीढ़ी को ऐसे संस्कार दिए जाएं जिससे वह हमेशा अपने बड़ों का आदर करें जिलाधिकारी ने पांच बुजुर्ग मतदाताओं को सम्मानित किया गया उन्होंने कहा कि आपके जैसे उत्तरदाई मतदाताओं के कारण ही हम एक लोकतंत्र के रूप में दुनिया में फल फूल रहे हैं और आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि आप बदलते समय सामाजिक रजनीतिक आर्थिक

समीकरण और देश में प्रदोष औद्योगिकी के क्रमिक विकास के साक्षी है आप निर्वाचन प्रक्रिया को सुदृढ़ करने और निर्वाचनों को सही मायने में स्वतंत्र निष्पक्ष समावेशी और सहभागी बनने के लिए निरंतर प्रगतिशील तंत्र के साक्षी है।

अपने बीते समय में विभिन्न चुनाव के दौरान अपना वोट डालकर अपनी सरकार का विकल्प तय करने में अपने एक वोट का मूल्य का वास्तविक अर्थ सिद्ध किया है। आप सदैव की भांति अपना मत अवश्य डालें और युवा पीढ़ी को भारतीय लोकतंत्र में सकारात्मक योगदान के लिए उदाहरण बने व प्रेरित करें। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि वृद्ध आश्रम में रह रहे बुजुर्गों का स्वास्थ्य परीक्षण निरंतर किया जाए और स्वास्थ्य मेला का भी आयोजन किया जाए। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ नरेंद्र देव शर्मा जिला समाज कल्याण अधिकारी प्रवीण सिंह आदि संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

नम्रता तिवारी ने अपने पति के लिए सोशल मीडिया पर कही भावुक बाते

सुदामा दीक्षित को फर्जी राजनीतिक षड्यंत्र के तहत फसाया गया

खबर दृष्टिकोण
संवाददाता जालौन

उरई। जिले के मेरे अग्रज संरक्षक क्या आप मुझे और मेरे परिवार को यूं ही अकेला छोड़ देंगे। अब और कितनी यातनायें सहनी होंगी। आप यदि बेटी मानते है तो फिर मेरे लिए आगे आना होगा। आपको पता है कि आपके बेटे और भाई सुदामा दीक्षित सियासत की भेंट चढ गये है और जेल की सलाखों में है। वह जेल में क्यों है ? उनका अपराध क्या है? इस बात का खुलासा तो समय के साथ हो ही जायेगा। महत्तवपूर्ण यह है कि वह कौन सियासतदान है जिसको प्रमुख जी का संघर्ष और लोगों का उनके प्रति समर्पण, नौजवानों की ताकत अखर रही है। प्रमुख जी पर मुकदमें लिखे गये, वह जेल गए, इससे हम सब दुखी थे। लेकिन अब तो हद हो गयी है। उनके अपने सैकड़ों सर्मथकों पर भी मुकद्दमा दर्ज कर दिया गया है। यह अन्याय की पराकाष्ठा है। मैने हमेशा देखा है कि जब भी परिवार या उनके स्वयं पर कोई संकट होता है वह विचलित नही होते थें। हमेशा मैने उनको किसी अपने पर संकट आने पर परेशान और विचलित देखा है। उनके किसी मित्र, समर्थक पर कोई समस्या आयी हों तो रात रात भर उनकी नींद को उडते हुए देखा है। आज केवल इस बात पर प्रमुख जी के सैकड़ों समर्थकों पर मुकदमा लिख दिया गया कि इस कठिन समय में उनके अपने लोग उनके साथ थें। यह जुल्म की इंतहा नही तो फिर क्या है। उनकी गिरफ्तारी

तो ऐसे हुई जैसे वह कोई मुजरिम हो। जिस तरीके से हथकड़ी डालकर उन्हे क्रिमिनल के रूप में पेश किया गया वह अशोभनीय था। जेल में भी उन्हे परेशान किया जा रहा है। इतिहास हमेशा इस वक्त को याद रखेगा। मैं आज खुले रूप में कह रही हूँ कि जो मन में आये कर लीजिये समय है सब कुछ सह लूंगी। प्रमुख जी की विनम्रमा सहनशीलता को आप सब मिलकर भी नही तोड़ पाओगे। मैने उन्हे संघर्ष में हमेशा मजबूत होते देखा है। क्षीर सागर परिवार पर जरूर तिमिर की छाया है पर इसकी अवधि बहुत अधिक नही है। यू कहे कि जीवन का यह सबसे कठिन दौर अवश्य है पर इसकी सुवह जरूर होगी। आज आप सबके साथ की ही जरूरत है। आप ने हमेशा हम सबकी मदद की है। जो सुदामा हमेशा दूसरों के लिए संघर्ष करते रहे आज वह स्वयं के अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रहा है। मुझे बडी मुश्किल से जेल में मिलने दिया गया। जेल में भी उनका बहुत उत्पीडन हो रहा है। लेकिन उनके लोग उनके इस सबसे कठिन दौर में उनका साथ नही छोड़ेगें। मुझे पता है कि हम सबको दवाने की कोशिश होगी। लेकिन वक्त डरने का नही जूझने का है। मैने भी तय कर लिया है कि अब चाहे जितना जुल्म की पराकाष्ठा करनी हो कर लीजिए। लेकिन क्षीर सागर झुकेगा नही। मुझे ये जानकारी हुई है कि प्रमुख जी पर गैगस्टर गुण्डा एक्ट जैसे और भी फर्जी मुकदमें लगाकर उन्हे फसाने की साजिश चल रही है। अगर इस तरीके से कोई फर्जी कार्यवाही की गयी तो में पूरे जिले में यात्रायें करूगी। जनता जनार्दन के बीच जाकर हकीकत को रखूंगी। आमरण अनशन पर बैठूँगी। मुझे पता है कि समाज कभी किसी पर होने बाले अन्याय को बर्दाश्त नही करता। वह बुरे प्रयास करने वालों को जरूर सवक सिखाता है।

खबर एक नजर में

स्वच्छता पखवाड़ा के तहत कृष्णा नगर क्षेत्र में चला सफाई अभियान

खबर दृष्टिकोण

आलमबाग। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 17 सितम्बर से शुरू हुए स्वच्छता अभियान के तहत रविवार को पुरे राजधानी शहर में सरकारी गैरसरकारी संस्थानों विद्यालयों समेत क्षेत्र में समाज सेवियो द्वारा झाडू लगा स्वच्छ भारत अभियान का सन्देश दिया गया। इस क्रम में कृष्णा नगर क्षेत्र के मलिन बस्ती केसरी खेड़ा समेत इंद्रलोक कॉलोनी कनौसी संग कई मोहल्ले में अवध प्रान्त महिला मोर्चा अध्यक्ष माया सिंह , पूर्व राज्य मंत्री कुमार अशोक पांडेय , बीजेपी पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्त्ता पूर्व पार्षद हरशरण लाल गुप्ता के नेतृत्व में हाथो में झाडू ले सड़को पर सफाई किया गया एवं स्वच्छता का सन्देश दिया गया। इस दौरान पूर्वराजयमंत्री ने मलिन बस्ती के बच्चो को किताब कॉपी का भी वितरण कर शिक्षा के लिए प्रोत्साहित किया। स्वच्छता का यह कार्यक्रम क्षेत्र में दो घंटे तक चला। इसी क्रम में कृष्णा नगर कोतवाली प्रांगण में कोतवली प्रभारी विक्रम सिंह ने अपने अधीनस्थ पुलिस कर्मियों संग झाडू लगा कोतवाली की साफ सफाई कर स्वच्छता का सन्देश दिया।

एक घंटा स्वच्छता के लिए अभियान में आयुक्त ने झाडू लगाकर की सफाई

खबर दृष्टिकोण

उरई जालौन। नगर पंचायत एट में स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत मंडलायुक्त आदर्श सिंह ने आज 01 अक्टूबर को श्रमदान कर एक तारीख एक घंटा स्वच्छता के लिए अभियान में प्रतिभा करते हुए झाडू लगाया एवं कूड़े की साफ सफाई की गई। उन्होंने कहा कि स्वच्छता एक निरंतर प्रक्रिया है जो हम सभी के दैनिक दिनचर्या में शामिल है हमें अपने कार्यालय घर पर सड़कों को स्वच्छ एवं हरा भरा बनाए रखने में निष्ठा एवं तत्परता के साथ कार्य करना चाहिए। यही हम सब की महात्मा गांधी जी के विचारों एवं प्रधानमंत्री के पवित्र सोच के प्रति सच्चा आदर एवं सम्मान है इसी क्रम में जनपद के समस्त तहसीलों विकासखंड मुख्यालयों समस्त थानों चौकियों व कार्यालय एवं समस्त ग्राम पंचायत में स्वच्छता अभियान के तहत श्रमदान कर साफ सफाई की गई। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे विशाल यादव जनप्रतिनिधि व आम जनमानस ने श्रमदान कर साफ सफाई की।

सौतेले ससुर व देवर ने विवाहिता समेत पति व बच्चों संग की मारपीट, मुकदमा दर्ज

खबर दृष्टिकोण

आलमबाग। कृष्णा नगर कोतवाली क्षेत्र में रहने वाली एक विवाहिता ने अपने सौतेले ससुर व देवर पर घरेलू विवाद के चलते स्वयं पर एवं अपने पति व बच्चों संग की मारपीट करने के साथ जान से मारने की देने का आरोप लगाते हुए शिकायत की है। कृष्णा नगर कोतवाली प्रभारी विक्रम सिंह ने बताया कि थाना क्षेत्र स्थित एलडीए कालोनी में रहने वाली श्वेता तिवारी पत्नी विजय कान्त तिवारी के मुताबिक बीते 28 सितम्बर को उनके सौतेले ससुर मुन्नु लाल शुक्ला एवं देवर विशाल शुक्ला एवं देवरानी संध्या देवी शुक्ला ने घरेलू बातो को लेकर पीडिता के पति एव बच्चो संग गाली गलौज , मारपीट करने के साथ ईट व चाकू से अभय मिश्रा तथा शिवा मिश्रा के साथ मिलकर हमला करने का आरोप लगा नामजद लिखित शिकायत की है। पुलिस के मुताबिक पीडिता की शिकायत पर गाली गलौज, मारपीट व धमकी देने की धारा में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

जमीनी विवाद में पड़ोसी ने महिला की पिटाई कर हाथ तोड़ा,बाल पकड़कर घसीटा

खबर दृष्टिकोण

मोहनलालगंज। मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के टिकरासानी गांव में जमीनी विवाद में रविवार को दबंग पड़ोसियों ने महिला की लाठी–डंडो से बुरी तरह पिटाई कर उसका हाथ तोड़ दिया।पीड़िता ने आरोपियों पर बाल पकड़कर घसीटने का भी आरोप लगाया है।घायल अवस्था में पीड़िता ने कोतवाली पहुंचकर पुलिस से पूरे मामले की लिखित शिकायत कर कार्यवाही की मांग की है।मोहनलालगंज के उत्तरगांव के टिकरासानी गांव निवासी निशा पाल ने बताया रविवार की सुबह वो अपने सहन की जमीन पर बांस बांध रही थी तभी पड़ोसी मुकेश पाल अपनी पत्नी लाली व पिता रामकुमार,पकंज के साथ मौके पर आ धमके ओर जमीन अपनी बताते हुये सहन में लगे बास उखाड़कर फेकने लगे,जब उसने विरोध किया तो धक्का देकर गिराकर उसकी बुरी तरह पिटाई कर हाथ तोड़ने के बाद पकंज ने बाल पकड़कर घसीटा,चीख पुकार सुनकर मौके पर पहुंचे पति के छुड़ाने पर उसकी जान बची।जिसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुये मौके से भाग गयें।महिला की पड़ोसियों द्वारा पिटाई का सोशल मीडिया पर वीडियों वायरल होने पर हड़कम्प मच गया।इंस्पेक्टर संतोष कुमार आर्य ने बताया पीड़िता की तहरीर पर आरोपियों पर मारपीट,जान से मारने की धमकी देने समेत अन्य धाराओ में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरु कर दी गयी हैं।

दिसम्बर तक प्रदेश के समस्त गांव परिवहन सेवा से जुड़ेंगे

खबर दृष्टिकोण

आलमबाग। उप्र परिवहन राज्य मंत्री दयाशंकर सिंह ने परिवहन निगम एवं परिवहन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि दिसंबर 2023 तक प्रदेश के सभी गांव को परिवहन सेवा से जोड़ लिया जाए। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में आबाद ग्रामों की संख्या 100983 है तथा ग्राम सभाओं की संख्या 59163 है।इन 59163 में से 4593 गाँव सार्वजनिक परिवहन सुविधा से वंचित हैं। मुख्यमंत्री जी ने इन असेवित गाँवों को दिसम्बर तक सेवित किये जाने के निर्देश प्रदान किये थे। परिवहन मंत्री के निर्देशों के क्रम में 29 सितम्बर को प्रमुख सचिव परिवहन वेंकटेश्वर लू की अध्यक्षता में असेवित गावों को परिवहन निगम की बसों से गाँवों को सेवित करने हेतु आयोजित बैठक में परिवहन विभाग एवं परिवहन निगम के अधिकारियों सहित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक सम्पन्न हुई। जिसमे समस्त सम्भागीय परिवहन अधिकारी तथा उप्र परिवहन निगम के समस्त क्षेत्रीय प्रबन्धकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। बैठक में असेवित गावों की एक उपलब्ध सूचना की सम्पुष्टि व त्रुटि–विहीन बनाने हेतु एक स्थलीय सर्वे की आवश्यकता प्रतीत हुई। यह सर्वे परिवहन विभाग निगम के अधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से किया जायेगा। प्रमुख सचिव ने बताया कि अधिसूचित मार्गों की सूचना परिवहन निगम के पास उपलब्ध है व इनसे भिन्न मार्गों की सूचना परिवहन विभाग के पास उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि दोनों के संयुक्त अभ्यास व स्थलीय सर्वे से सूचना का संकलन सुविधाजनक व प्रमाणिक हो जायेगा।सर्वे कार्य एक सप्ताह में पूर्ण कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन यह कार्य निरन्तर किया जाएगा। प्रमुख सचिव ने बताया कि प्रत्येक जनपद के लिये न्यूनतम 02 दल बनाये गए हैं। डिपो स्तर से यह रिपोर्ट संकलित करके क्षेत्रीय प्रबन्धक सम्भागीय परिवहन अधिकारी द्वारा यह रिपोर्ट 10 अक्टूबर तक मुख्यालय आ जाएगी। परिवहन मंत्री ने कहा कि स्थलीय सर्वे करते हुये व मार्ग के सृजन का प्रस्ताव करते हुये ध्यान रखें कि सम्बन्धित मार्ग से अधिकतम एक किमी दूरी वाले गाँव ही सेवित माने जाएंगे। इससे अधिक दूरी के ग्रामों के लिये पृथक बस सेवा संचालित की जाएगी। उन्होंने कहा कि बस सेवा के संचालन से सम्बन्धित तहसील एवं जिला मुख्यालय को संयोजित किया जाना अनिवार्य होगा। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि इसे ध्यान में रखते हुए मार्गो का प्रस्ताव इस प्रकार तैयार किया जाए कि प्रस्तावित मार्ग की कुल दूरी 100 किलोमीटर से अधिक न हो।

बुजुर्गो को निशुल्क तीर्थ यात्रा कराएगा युवान संस्थान

संवाददाता सुनील मणि नगराम
खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। समेसी,युवान संस्थान कार्यालय पर आज अंतर्राष्ट्रीय बुजुर्ग दिवस के अवसर पर वरिष्ठ नागरिक अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया जिसमें युवान संस्थान के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए युवा संस्थान संरक्षक अंबुज त्रिपाठी ने बतलाया कि युवान संस्थान स्वस्थ समाज के निर्माण के आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक आदि विभिन्न आयामों पर काम करता है उसी क्रम में आज वरिष्ठ नागरिक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया है। जिसमें समाज में ष्हमारे बुजुर्ग हमारे अभिमानष की धारणा को स्थिर करना है । वरिष्ठ लोगों के अनुभव से समाज को कैसे विकसित किया जा सकता है उनके जीवन अनुभवों द्वारा कैसे समाज को सुखी समृद्ध एवं समाधानी बनाया जा सकता है इसके लिए युवान संस्थान निरंतर प्रयासरत है । इसी क्रम में बुजुर्गों के स्वास्थ्य, भोजन, आर्थिक व्यवस्था तथा मनोरंजन हेतु वार्ड अनुसार केंद्र स्थापित किया जाएगा तथा बुजुर्गों को निशुल्क तीर्थ यात्रा भी युवान संस्थान कराएगा।इस अवसर पर वरिष्ठ नागरिक वीर बहादुर यादव (वर्तमान दूध डेरी सचिव) राम प्रसाद(सेवा निवृत रेलवे) साहब दीन फौजी (सेवानिवृत्त आर्मी) शिवाधार (सेवा निवृत्त शिक्षक) जानकी प्रसाद (सेवानिवृत्त रेलवे) पुरुषोत्तम द्विवेदी (पूर्व पंचायत सदस्य) रमेश चंद्र मौर्य (राजस्व संग्रह अमीन) माता प्रसाद (पुलिस विभाग) सत्रोहन सिंह (सेवा निवृत्ति आरपीएफ रेलवे) बैजनाथ यादव (सेवा निवृत्त पोस्ट ऑफिस) माता प्रसाद सहित 100 से अधिक बुजुर्गों को अंग वस्त्र एवं अभिनंदन पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संगठन युवान संस्थान के संरक्षक अंबुज त्रिपाठी, अरविंद अवस्थी,अध्यक्ष विजय चौधरी, उपाध्यक्ष संजय चौधरी आशीष भारती प्रमोद कुशवाहा अनुपम शुक्ला ओम प्रकाश प्रजापति अरविंद साहू मोहम्मद फहीम सहित भारी संख्या में क्षेत्र के लोगों ने सहभागिता की।

स्वच्छ व सुंदर बनाये रखने के लिए निरन्तर प्रयास करते रहना चाहिए : केशव प्रसाद मौर्या

गन्दगी से वातावरण ही नहीं, आत्मा भी मैली होती है

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने आज देश के यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय नरेंद्र मोदी के आह्वान पर 'स्वच्छता ही सेवा' के अन्तर्गत अपने कैम्प कार्यालय परिसर,मंदिर, पुस्तकालय और कार्यस्थल पर श्रमदान कर स्वच्छता के महा अभियान में सहभागिता की। साथ ही ऑफिस स्टाफ व श्रम सेवकों के साथ चाय पर चर्चा करते हुए स्वच्छता के महत्व पर बातचीत की और प्रोत्साहित किया। इस कार्यक्रम का हिस्सा बने श्रमदान करने वाले लोगों से अपने विचार साझा करते हुये केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि गन्दगी से वातावरण ही नहीं, बल्कि हमारी आत्मा भी मैली होती है। कहा की हम सबको देश व प्रदेश को स्वच्छ व सुंदर बनाये रखने के लिए निरन्तर प्रयास करते रहना चाहिए और उसके लिए श्रमदान करते ही रहना चाहिए। स्वच्छ भारत एक साझा जिम्मेदारी है।

बी-पैक्स सदस्यता महा अभियान का हुआ समापन

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। प्रदेश में 01 से 30 सितंबर 2023 तक चलने वाले बी–पैक्स सदस्यता महा अभियान– 2023 ने अभूतपूर्व एवं ऐतिहासिक सफलता प्राप्त की है। यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में चलाए गए इस महा अभियान में 20 लाख लक्ष्य के सापेक्ष कुल 26.16 लाख बी–पैक्स में नए सदस्य बने तथा रु0 63.49 करोड़ का अंशदान संचित हुआ। यह जानकारी आज प्रदेश के सहकारिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जेपीएस राठौर ने सहकारिता भवन के पीसीयू सभागार में बी–पैक्स सदस्यता महा अभियान के समापन अवसर पर दी। इस अवसर पर सहकारिता मंत्री ने कहा कि बी–पैक्स सदस्यता महा अभियान प्रदेश में सहकारिता आंदोलन को नई दिशा देने में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि अभियान की सफलता यह दर्शाती है कि सहकारी क्षेत्र में आमजन का विश्वास बढ़ा है तथा प्रदेश सरकार की एक ट्रिलियन इकोनामी को प्राप्त करने में सहायक होगी।राठौर ने कहा कि बी–पैक्स सदस्यता महा अभियान की सफलता से जिला सहकारी बैंकों का कैपिटल बेस मजबूत होगा तथा ऋण वितरण में वृद्धि होगी। बी–पैक्स को भी 10 लाख तक की कैश क्रेडिट लिमिट दी जाएगी, जिससे किसानों को बी–पैक्स के माध्यम से खाद,बीज की उपलब्धता सुलभ होगी। राठौर ने बताया कि बी–पैक्स के माध्यम से नए कृषक सदस्यों को अन्य बैंकों से सस्ती दर पर 03 प्रतिशत ब्याज पर फसली ऋण की सुविधा दी जाएगी तथा फार्म मेकेनाइजेशन हेतु दीर्घकालीन ऋण कि सुविधा 05 से 07 वर्ष हेतु उपलब्ध कराई जाएगी। मत्स्य पालक कृषकों को प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना से एवं पशुपालकों को नंद बाबा दुग्ध मिशन योजना से जोड़ा जाएगा तथा 03 प्रतिशत ब्याज पर केसीसी के माध्यम से ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। अकुशल, कुशल कामगारों को 'लेबर क्लब' बनाकर ऋण उपलब्ध कराया जाएगा तथा रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। इन्हें श्रम विभाग की योजनाओं का लाभ भी दिलाया जाएगा। कृषक उत्पादक समूहों का बी–पैक्स के साथ एमओयू बनाकर निर्यात एवं स्थानीय बाजार का प्लेटफार्म भी उपलब्ध कराने की सुविधा दी जाएगी। इसके अतिरिक्त जन औषधि केंद्र के रूप में सस्ती एवं गुणवत्तापरक जेनेरिक दवाएं कृषकों को उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि ए0आई0एफ0 योजना में कृषक उत्पादक समूहों की प्रक्रिया इकाई की स्थापना हेतु सस्ते ऋण की सुविधा जिला सहकारी बैंकों के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी। एफपीओ और पैक्स को ड्रोन की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी तथा पीएम स्वनिधि योजना में स्ट्रीट वेंडर को ऋण की सुविधा जिला सहकारी बैंकों के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी। सहकारिता मंत्री ने बताया कि अभियान के दौरान बी–पैक्स में बने कुल 26.16 लाख सदस्यों में 17,33,112 कृषक, 1,56,455 कुशल श्रमिक, 3,92,728 अकुशल श्रमिक, 2,20,207 पशुपालक तथा 6,411 मत्स्यपालकों ने बी–पैक्स की सदस्यता ग्रहण की। सबसे ज्यादा सदस्यता ग्रहण कराने तथा शेयर कैपिटल एकत्र करने में जनपद बुलंदशहर प्रथम स्थान पर रहा। बुलंदशहर में कुल 1,11,816 बी–पैक्स में नए सदस्य बने तथा रु0 2,72,43,568.00 की शेयर कैपिटल एकत्र हुई। प्रति पैक्स सबसे ज्यादा औसत सदस्य बनाने एवं शेयर कैपिटल संचित करने में जनपद शाहजहांपुर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। राठौर ने महा अभियान में सफल मार्गदर्शन हेतु मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार व्यक्त किया। उन्होंने अभियान में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए समस्त सहकारी बंधुओं, सहकारी संस्थाओं के पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, मंत्रीगणों, विधायकों, सांसदों, जिला पंचायत अध्यक्षों, ब्लॉक प्रमुखों, ग्रामीण क्षेत्र के प्रधानों तथा सहकारी स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त करते हुए बधाई दी। राठौर ने कहा कि बी–पैक्स सदस्यता महा अभियान–2023 में जिन सहकारी स्वयंसेवकों ने अच्छा कार्य किया है उनको प्रमाण पत्र एवं प्रोत्साहन राशि भी दी जाएगी। कम से कम 100 सदस्य बनने वाले सहकारी स्वयंसेवकों को संतोषजनक प्रमाण पत्र, प्रति पैक्स 280 से 400 सदस्य बने वाले सहकारी स्वयंसेवकों को उत्तम प्रमाण पत्र के साथ रु0 5000.00 की प्रोत्साहन राशि, प्रति पैक्स 400 से 600 सदस्य बनने वाले सहकारी स्वयंसेवकों को अति उत्तम प्रमाण पत्र एवं रु0 7500.00 की प्रोत्साहन राशि तथा प्रति पैक्स 600 से अधिक सदस्य बनने वाले सहकारी स्वयंसेवकों को उत्कृष्ट प्रमाण पत्र एवं रु0 10000.00 की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी।

डीएम से वार्ता के बाद लिखित आश्वासन पर माने किसान नेता,धरना किया समाप्त

नगराम–खुजौली जर्जर मार्ग के निर्माण समेत किसानो के जमीनो का सर्किल रेट बढाये जाने के लिये 43दिनो से अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे थे किसान, डीएम से वार्ता के बाद एसडीएम के द्वारा मौके पर पहुंचकर लिखित आश्वासन देने पर माने किसान नेता, धरना किया समाप्त

मोहनलालगंज। नगराम –खुजौली जर्जर सड़क मार्ग के तत्काल निर्माण समेत किसानो की जमीनो का सर्किल रेट बढाये जाने की मांग को लेकर बीते 43दिनो से भारतीय किसान मजदूर संगठन के प्रदेश अध्यक्ष प्रताप बहादुर व जिलाध्यक्ष दिनेश यादव के नेतृत्व में ब्लाक अध्यक्ष अशोक यादव कार्यकर्ताओ के साथ अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे है,बीते शुक्रवार को डीएम सूर्यपाल गंगवार ने अपने कार्यालय में पीडब्लूडी व राजस्व के अफसरो की मौजूदगी में किसान नेताओ के प्रतिनिधि मंडल से वार्ता कर चार माह में नगराम–खुजौली जर्जर सड़क मार्ग का निर्माण कराये जाने समेत भौतिक सत्यापन कराये जाने के बाद किसानो की जमीनो का सर्किल रेट बढाये जाने का आश्चासन दिया था।लेकिन किसान नेता अनिश्चितकालीन धरना स्थल पर अपर जिलाधिकारी द्वारा लिखित में देने के बाद ही धरना समाप्त करने की बात कही थी, जिलाधिकारी सूर्यपाल गंगवार के निर्देश पर रविवार को उपजिलाधिकारी हनुमान प्रसाद मौर्य ने धरना स्थल पर पहुंचकर दोनो ही मांगो को लेकर डीएम के सामने हुयी बैठक में तय समय सीमा में सड़क का निर्माण कराये जाने समेत किसानो की जमीनो का भौतिक परीक्षण कराये जाने के बाद सर्किल रेट बढाये जाने के लिखित आश्वासन का पत्र प्रदेश अध्यक्ष व जिलाध्यक्ष को सौपा,जिसके बाद प्रदेश अध्यक्ष प्रताप बहादुर ने अनिश्चितकालीन धरना समापन की घोषणा करते हुये कहा तय समय सीमा पर दोनो ही मांगे ना पूरी होने पर आगे की रणनीति बनाकर किसान बड़ा आदोलंन करेगें।

विद्युत् आपूर्ति में सुधार हेतु चलाए गए अनुरक्षण माह के पहले दिन पावर कार्पोरेशन के अध्यक्ष डाक्टर आशीष कुमार गोयल ने विभूति खण्ड सबस्टेशन का निरीक्षण किया

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ।प्रधानमन्त्री व मुख्यमंत्री की प्रेरणा एवम ऊर्जा मंत्री के कुशल नेतृत्व में आज से प्रारम्भ स्वच्छता अभियान के दृष्टिगत उत्तर प्रदेश पावर कार्पोरेशन में आज से अनुरक्षण माह मनाया जा रहा है । इस अभियान मे रखरखाव के साथ स्वक्छता पर विशेष ध्यान दिया जायेगा। आज से प्रारम्भ इस अभियान के पहले दिन उत्तर प्रदेश पावर कार्पोरेशन के अध्यक्ष डाक्टर आशीष कुमार गोयल ने विभूति खण्ड सबस्टेशन का दौरा किया। यहा पर उन्होंने सफाई मे लगे हुए मजदूरों के साथ फावड़ा लेकर साफ सफाई मे हिस्सा लिया।यहा पर उन्होंने सबस्टेशन में कराए जाने वाले अनुरक्षण कार्यो की विस्तृत जानकारी भी ली। उन्होंने सबस्टेशन पर कराये गये कार्यो का निरीक्षण किया,तथा आवश्यक निर्देश दिए। अधीक्षण अभियन्ता राजेश कुमार, अधिशाषी अभियन्ता सुबोध झा एवम एस डी ओ शैलेश शर्मा से उन्होंने अनुरक्षण कार्यो ,विद्युत आपूर्ति एवम राजस्व सन्ग्रह जैसे विषयो पर भी विस्तृत पूछताछ की। ग्यातव्य है कि गान्धी जयन्ती एवम आगामी त्योहारो को देखते हुये पावर कार्पोरेशन ने अनुरक्षण कार्यो हेतु एक माह का अभियान चलाने का निर्णय लिया है। यह अभियान आज से 31 अक्तूबर तक प्रदेश के सभी सबस्टेशनो, लाइनो, ट्रान्सफारमरो के रखरखाव हेतु चलाया जायेगा। अध्यक्ष ने अनुरक्षण कार्यो को गुणवत्तापूर्ण ढन्ग से कराने का निर्देश देते हुए कहा कि इस एक माह मे बेहतरविद्युत आपूर्ति से संबंधित सभी आवश्यक कार्य करा लिए जाएं। इस सब स्टेशन पर लगातार बढ़ रहे लोड को कम करने के लिए एक प्रस्तावित सब स्टेशन के निर्माण में उन्होंने तेजी लाने के लिए भी कहा। अध्यक्ष ने सबस्टेशन के लिए जमीन शीघ्र दिलाने हेतु भी आश्वस्त किया। उन्होने आपूर्ति ट्रिपिंग विहीन करने हेतु सब स्टेशन पर कार्यरत दो सोर्स के अतिरिक्त एक और सोर्स बनाने के निर्देश दिए। सब स्टेशन के अधिकारियों से उन्होंने कहा कि इस अभियान में लापरवाही बर्दाश्त नही की जायेगी ।अध्यक्ष ने अनुरक्षण माह मे सबस्टेशन के सभी उपकरणो का अनुरक्षण, ट्रांसफार्मर की लोडिंग, सबस्टेशन पर 33 केवी बिजली दे रहे फीडरो , तथा 11 केवी के सभी फीडरो मे गर्मियो मे हुई समस्या दूर कराने के निर्देश दिये। अध्यक्ष ने प्रदेश भर के विद्युत विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का आहवान किया है कि इस अभियान को सफल बनाने के लिए मेहनत और लगन से कार्य करें। उपभोक्ताओं को बेहतर विद्युत आपूर्ति प्राप्त हो इसके लिए जो भी कार्य आवश्यक लगे वह सब इस एक माह में कर लिए जाए। जहां कहीं भी ट्रांसफार्मर की ओवरलोडिंग हो, तार ढीले हो या कोई अन्य समस्या हो तो उस को हर हालत में ठीक कर लिया जाए । जिससे आगामी गर्मियों में प्रदेश के हर क्षेत्र को उच्च गुणवत्ता युक्त निर्बाध विद्युत प्राप्त हो।

खबर एक नजर में

प्रधानमंत्री स्वच्छ भारत मिशन को लेकर आम जनता व पार्षद हुए जागरूक

खबर दृष्टिकोण

आलमबाग। आशियाना नगर निगम जोन 8 क्षेत्र के पवार हाउस पर चलाया गया घरों व गलियों रोडो पर साफ सफाई अभियान वही सैकड़ो की संख्या में लोगों ने घण्टों तक सफाई का उद्देश्य देते हुए लोगो को जागरूक भी किया वही स्वच्छता अभियान को लेकर भारी संख्या में महिलाओं व स्थानीय निवासी के साथ जोन 8 के जोनल अधिकारी अजित राय पार्षद कौशलेंद्र द्विवेदी , पार्षद कमलेश सिंह के साथ आशियाना पवार हाऊस से लेकर आशियाना किले चौराहों तक हाथ मे झाड़ू ले कर सफाई की और कूड़ा हटाते हुए नजर आये वही स्थानी पार्षद कमलेश सिंह का कहना है कि डेंगू से बीमारी से बचने के लिए अपने घरों छतों पर गंदा पानी जमा न होने दे नालियां साफ रखे कूड़ा समय से अपने घरों को साफ सफाई रखे जारूकता अभियान चलाते हुए क्षेत्रीय निवासियों एवं व्यापारियों से अपील की।

गांधी जयन्ती व शास्त्री जयंती पर देश व प्रदेशवासियो को दी शुभकामनाएं : मौर्या

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। यूपी के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने राष्ट्रपिता महात्मागांधी की जयन्ती पर देश व प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। अपने शुभकामना संदेश में मौर्य ने कहा है कि महात्मा गांधी के विचार और उनका जीवन दर्शन आज भी प्रासंगिक है। हम सबको उनके जीवन दर्शन व सुकृत्यों से न केवल प्रेरणा लेनी चाहिए, बल्कि उसे आत्मसात भी करना चाहिए। गांधी जयंती की पूर्व संध्या पर जारी अपने शुभकामना संदेश मे केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि गांधी जी का पूरा जीवन ही एक संदेश है। वह आज भी लोगों के दिलों में जीवित हैं ।उनकी हर बात, हर काम प्रेरणा का संदेश है। वह संपूर्ण मानवता के प्रेरणास्रोत बने हुये हैं। बापू के आदर्श हमे समृद्ध भारत बनाने का मार्ग दर्शन करते रहेंगे। उन्होने सत्य और अहिंसा को अपना हथियार बनाया। वह सत्य और अहिंसा के पुजारी थे। कहा कि गांधी जी महान सोच वाले साधारण व्यक्ति थे।

पीजीआई पुलिस कि सक्रियता आई सामने होटल के बाहर से स्कॉर्पियो कार चोरी मुकदमा दर्ज

लखनऊ संवाददाता
खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। पीजीआई कोतवाली क्षेत्र में बेखौफ चोरों ने कोस्मोस होटल के बाहर खड़ी लग्जरी स्कॉर्पियो कार चोरी कर फरार हो गए । सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल कर पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी हैं। अखिलेश चंद्र द्विवेदी अपने परिवार संग मिर्जापुर में रहते हैं। वह शनिवार को अपने रिश्तेदार और ड्राइवर के साथ स्कॉर्पियो कार यूपी 63 एन 0777 से उत्तराखंड जा रहे थे , देर रात करीब साढ़े ग्यारह बजे पीजीआई थाना क्षेत्र में स्थित कोस्मोस होटल में कमरा बुक कर से गए सुबह करीब चार बजे जगने पर बाहर निकल कर देखा तो उनकी कार गायब थी। कार चोरी होने की सूचना पुलिस को दी,मौके पर पहुंची पुलिस ने छानबीन कर कार मालिक की तहरीर पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी हैं।

3 अक्टूबर को आईटीआई लखनऊ मे आयोजित होगा बृहद रोजगार मेला

मेले में 78 कंपनियों मे 10 हजार से अधिक पदों पर लोगों को किया जायेगा चयनित

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। प्रधानाचार्य राज कुमार यादव ने बताया कि मुख्यमंत्री मिशन रोजगार योजना के अन्तर्गत 03 अक्टूबर 2023 दिन मंगलवार को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, अलीगंज, लखनऊ में बृहद रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। ये रोजगार मेला राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, अलीगंज, लखनऊ, क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय, लखनऊ एवं जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्योग विकास केन्द्र, लखनऊ के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया जा रहा है। इस मेले का उद्घाटन विधायक, लखनऊ उत्तरी डॉ नीरज बोरा द्वारा किया जायेगा। मेले में 78 कंपनियों के प्रतिनिधियों द्वारा 10,289 पदों पर लोगो को चयन किया जायेगा। ट्रेनिंग काउंसिलिंग एण्ड प्लेसमेन्ट आफिसर एम. ए. खाँ ने बताया कि इच्छुक व्यक्ति अपने बायोडाटा के साथ समस्त शैक्षिक प्रमाण पत्रों को संलग्न करते हुए प्रातः 09 बजे राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, अलीगंज, लखनऊ परिसर में उपस्थित होकर रोजगार प्राप्त कर सकते है। हाईस्कूल, इण्डटमीडिएट, आईटीआई, कौशल विकास प्रमाण पत्र, डिप्लोमा, स्नातक, बीटेक या बीबीए, बीसीए, एमबीए उत्तीर्ण एवं 18 से 45 वर्ष वाले ही लोग रोजगार मेले में प्रतिभाग करने के पात्र होंगे। कंपनियों द्वारा वेतन 8,000 से 45,000 रुपये प्रति माह एवं अन्य सुविधाएं दी जायेगी। मेले में पुरूष व महिला दोनों अभ्यर्थी प्रतिभाग कर सकते है।

किशोरी को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में तीन लोगों पर मुकदमा दर्ज

लखनऊ संवाददाता
खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। कानपुर देहात के रहने वाले अनीश कटियार ने बताया कि बीती 24 सितंबर को उनके मोबाइल फोन पर एक फोन आया और फोन करने वाले ने खुद का परिचय अजय उर्फ बाबूजी के रूप में देते हुए कहा की तुम दीपाली के पिता बोल रहे हो अभी अंशुल व उसकी पत्नी अंजली ने दीपाली को धमकी आत्महत्या कर लेने को दी है जिस कारण तुम्हारी बेटी दीपाली तुम्हारे कमरे मे मरने को फांसी पर लटकने जा रही है जबकि अनीश कुछ देर पहले ही अपनी बेटी के साथ खाना खाकर अपने कार्य से घर से बहार निकला था इसलिए अनीश को विश्ववास नही हो रहा था अनीश ने तुरंत अपनी पत्नी को फोन कर बेटी दीपाली को देखने के लिए कहा पत्नी अपनी दुकान से दौड़कर कमरे पर पहुंची तो देखा की कमरा अन्दर से बन्द था खिडकी से देखा की बेटी दीपाली फांसी के फन्दे से लटक रही है आवाज देकर लोगो को बुलाया तब तक प्रार्थी भी आ गया था दरवाजे को धक् का देकर खोलकर दीपाली को फंदे से नीचे उतारकर अस्पताल ले गये वहां पुत्री का मृत होना बतलाया गया अंशुल और उसकी पत्नी अंजली के द्वारा बार– 2 दी गयी धमकी कारण बेटी आत्महत्या करने को विवश हुई है अंजली व अंशुल ने मेरी पुत्री को आत्महत्या करने के लिए विवश किया है । इंस्पेक्टर पीजीआई राणा राजेश कुमार सिंह ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही हैं।

रहती दुनिया तक प्रासंगिक रहेगा गाँधी दर्शन

(गांधी जयंती पर विशेष)

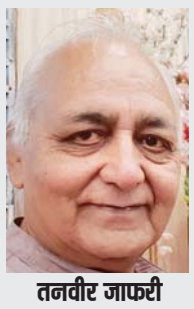

तनवीर जाफ़री

पिछले दिनों महात्मा गांधी की वैश्विक स्वीकार्यता एक बार फिर पूरे विश्व ने देखी और महसूस की जबकि जी 20 देशों के शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए दिल्ली आए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक,ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज,कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो,संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस, विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा, विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक टेड्रोस एडनॉम, एशियाई विकास बैंक के अध्यक्ष मासात्सुगु असाकावा, आईएमएफ की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जीवा सहित लगभग सभी राष्ट्राध्यक्ष महात्मा गाँधी को श्रद्धांजलि देने के लिए उनकी समाधि स्थल राजघाट पहुंचे।

भारत ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की जन्मतिथि 2 अक्टूबर को उन्हें याद किया जाता है। पूरा विश्व गांधीवाद व गांधी दर्शन का इसीलिये कायल है कि उन्होंने दुनिया को सत्य व अहिंसा के साथ साथ सर्वधर्म समभाव के मार्ग पर चलते हुये विश्व की बड़ी से बड़ी शक्ति से संघर्ष करने की प्रेरणा दी थी । मार्टिन लूथर किंग से लेकर नेल्सन मंडेला और बराक ओबामा तक न जाने कितने नेता हैं जो गांधी जी को अपना आदर्श मानते रहे हैं। दुनिया के किसी भी देश में आज जब युद्ध विरोधी, शान्ति व अहिंसा की बातें होती हैं तो बड़े से बड़े नेता गांधी दर्शन को ही याद करते हैं। यही वजह है कि विश्व के 70 से भी अधिक देशों में शांति के इस महान पुजारी की एक या अनेक प्रतिमाएं स्थापित कर उन्हें सम्मान भी दिया गया है। उन देशों के लोग गांधी से प्रेरणा लेते हैं। यहाँ तक कि विश्व में जब कहीं कोई शांति मार्च निकलता है तो लोग गांधी की तस्वीरों व उनके सद्भावपूर्ण संदेशों से युक्त बैनर जुलूस के आगे लेकर चलते हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि यह भारत का सौभाग्य है कि इतने महान विचारों वाला व्यक्ति हमारे देश में पैदा हुआ। सारी दुनिया भारत को गांधी के देश के रूप में ही जानती है।

आज जबकि विश्व का बड़ा हिस्सा युद्ध,हिंसा, परस्पर मतभेद, बेरोजगारी, महंगाई,साम्प्रदायिकता जैसे तनावपूर्ण वातावरण के दौर से गुजर रहा है। पूरा विश्व बाहरी व भीतरी तौर पर राजनैतिक वर्चस्व की लड़ाई लड़ रहा है, ऐसे में खास तौर पर गांधी जयंती के अवसर पर हर बार चिंतकों द्वारा यह सवाल उठाया जाता है कि गांधी के सत्य व अहिंसा के सिद्धांत पर आधारित उनके दर्शन और विचारों की आज कितनी प्रासंगिकता महसूस की जा रही है सितम्बर, 2019 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित किया था। उस समय प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि -यह अवसर इसलिये भी महत्वपूर्ण है कि इस वर्ष हम महात्मा गांधी की 150वीं जयंती मना रहे हैं। उस समय प्रधानमंत्री मोदी ने जहाँ और कई मुद्दे उठाये थे वहीं उन्होंने भारत का शांति-अहिंसा का संदेश प्रमुख रूप से विश्व को दिया था। संयुक्त राष्ट्र महासभा जैसे वैश्विक मंच से शांति का संदेश देते हुए उन्होंने कहा था कि - हमने दुनिया को शांति का पैगाम दिया। संयुक्त राष्ट्र के शांति अभियानों में सबसे बड़ा बलिदान अगर किसी देश ने दिया

है, तो वह देश भारत है। हम उस देश के वासी हैं जिसने दुनिया को युद्ध नहीं बुद्ध दिये हैं, शांति का संदेश दिया है। गोया बुध और गांधी के शांति के संदेश ही ऐसे हैं जिनपर प्रत्येक भारतवासी गर्व करता है।

परन्तु इस दुर्भाग्यपूर्ण सत्य से भी इंकार नहीं किया जा सकता कि भले ही पूरा विश्व इस महात्मा के समक्ष नतमस्तक होता हो ,उन्हें अपना आदर्श व प्रेरणास्रोत मानता हो परन्तु गांधी व गांधीवाद का विरोध करने वालों में और किसी देश के लोग नहीं बल्कि अधिकांशतयाः केवल भारतवासी ही शामिल हैं। संकीर्ण मानसिकता रखने वालों,साम्प्रदायिकता वादियों ने गांधी को व उनके के विचारों की प्रासंगिकता को तब भी महसूस नहीं किया था जबकि वे जीवित थे। गांधी से असहमति के इसी उन्माद ने उनकी हत्या तो कर दी परन्तु आज गांधी के विचारों से मतभेद रखने वाली उन्हीं शक्तियों को भली-भांति यह महसूस होने लगा है कि गांधी अपने संकीर्ण व साम्प्रदायिकतावादी विरोधियों के लिए दरअसल जीते जी उतने हानिकारक नहीं थे जितना कि अपनी हत्या के बाद साबित हो रहे हैं। और इसकी वजह केवल यही है कि जैसे-जैसे विश्व हिंसा, आर्थिक मंदी, भूख, बेरोंजगारी और नफरत जैसी नकारात्मक परिस्थितियों का सामना करता जा रहा है व इनमें उलझता जा रहा है, वैसे-वैसे दुनिया को न केवल गांधी के दर्शन याद आ रहे हैं बल्कि विश्व को गांधी दर्शन को आत्मसात करने की आवश्यकता भी बड़ी शिद्दत से महसूस होने लगी है।

दूसरी तरफ पिछले एक दशक से गाँधी के देश भारत में ही उन्हें अपमानित करने यहाँ तक कि सार्वजनिक रूप से खुलकर गालियां देने वालों की संख्या भी दिन प्रतिदिन बढ़ती ही जा रही है । भारतीय संसद में ऐसे लोगों का प्रवेश हो चुका है जो गाँधी को अपमानित करते हैं और उनके हत्यारे नाथू राम गोडसे व उसके वैचारिक सहयोगियों का महिमामंडन करते हैं। ऐसा इसीलिये है कि वर्तमान सत्ता उन्हें प्रश्रय देती है। ये लोग प्रायः सत्तारूढ़ दल के ही सदस्य या समर्थक हैं। आजतक गाँधी को अपमानित करने व गोडसे का महिमामंडन करने यहां तक कि उसे राष्ट्रवादी बताने वालों के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं की गयी। और तो और भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अधयक्ष और देश के वर्तमान गृह मंत्री अमितशाह ने भी जून 2017 में रायपुर(छत्तीसगढ़) के मेडिकल कॉलेज में आयोजित बुद्धिजीवियों की एक सभा में जब गाँधी जी को याद किया तो उनके शब्द यह थे - महात्मा गांधी बहुत चतुर बनिया था, उसको मालूम था कि आगे क्या होने वाला है। उसने आजादी के बाद तुरंत कहा था, कांग्रेस को बिखेर देना चाहिए। इस तरह की शब्दावली का प्रयोग करने वाले नेता की पार्टी के ही एक सांसद ने पिछले दिनों लोकसभा में जब एक मुस्लिम सांसद को घोर आपत्तिजनक बातें कहीं और उस पर साम्प्रदायिक व आपराधिक टिप्पणियां कीं तो उसी कांग्रेस पार्टी के सांसद राहुल गांधी उस पीड़ित सांसद के आंसू पोछने उनके निवास पर गये। यह कांग्रेस व गांधीवादी सोच ही थी जिसने राहुल गांधी को भेजकर सांत्वना देने को विवश किया। और वह गोडसेवादी विचार थे जो उस सांसद के मुंह से निकलते दुनिया को सुनाई दिये।

बहरहाल,पिछले दिनों महात्मा गांधी की वैश्विक स्वीकार्यता एक बार फिर पूरे विश्व ने देखी और महसूस की जबकि जी 20 देशों के शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए दिल्ली आए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक,ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज,कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो,संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस, विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा, विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक टेड्रोस एडनॉम, एशियाई विकास बैंक के अध्यक्ष मासात्सुगु असाकावा, आईएमएफ की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जीवा सहित लगभग सभी राष्ट्राध्यक्ष महात्मा गाँधी को श्रद्धांजलि देने के लिए उनकी समाधि स्थल राजघाट पहुंचे। इन सभी राष्ट्राध्यक्षों,सरकार के प्रमुखों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रमुखों ने वहां एक मिनट का मौन रखा और राष्ट्रपिता को श्रद्धांजलि व पुष्पांजलि अर्पित की। महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने के बाद जी 20 नेताओं ने 'लीडर्स लाउंज' में शांति दीवार पर हस्ताक्षर भी किए। जी 20 के अगले मेजबान ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो ने इस अवसर पर कहा कि - जब हम महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने के लिए गए उस समय मैं बहुत भावुक हो उठा था। मेरे राजनीतिक जीवन में महात्मा गांधी का बहुत महत्व है क्योंकि अहिंसा का मैंने कई दशकों तक अनुसरण किया है, जब मैं श्रमिक आंदोलन के लिए लड़ा था। यही कारण है कि जब मैंने महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की तो मैं भावुक हो उठा। ऐसे तमाम उदाहरण हैं जिनसे यह प्रमाणित होता है कि सत्य-अहिंसा व सर्वधर्म समभाव को अपने आप में समाहित करने वाला गांधी दर्शन कल भी प्रासंगिक था और रहती दुनिया तक प्रासंगिक रहेगा।

संपादकीय

हमारी करुणाहीनता!

मध्य प्रदेश की प्रसिद्ध धार्मिक नगरी उज्जैन में एक नाबालिग बच्ची के साथ बलात्कार का मामला सामने आया है। घटना 25 सितम्बर की बताई जा रही है। महाकाल थाना इलाके में बड़नगर रोड़ पर बच्ची घायल अवस्था में मिली। उसके कपड़े बुरी तरह फटे हुए और खून से लथपथ थे। सांवराखेड़ी सिंहस्थ बाइपास की कालोनियों में इसी हाल में बच्ची ढाई घंटे भटकती रही। वह लगातार मदद की गुहार लगा रही थी, मगर किसी ने उसकी फरियाद नहीं सुनी। सोशल मीड़िया में वायरल हुए सीसीटीवी फुटेज में उसकी तस्वीरें देखी जा सकती हैं। पुलिस ने चार लोगों को हिरासत में लिया है। ऑटो चालक अभियुक्त को पुलिस घटनास्थल पर ले गई तो उसने भागने की कोशिश की जिसमें वह घायल हो गया। सतना निवासी बच्ची मानसिक तौर पर कमजोर बताई जा रही है। मीड़िया ने उसे 12 वर्ष का बताया, जबकि पुलिस ने 15 साल उम्र दर्ज की है। वह 24 तारीख को घर से गायब हुई थी। उसके अपहरण की एफआईआर धारा 363 के तहत सतना के गांव में दर्ज है। बच्ची की मां बचपन में ही उसे छोड़ कर चली गई थी जबकि पिता अर्धविक्षिप्त बताया जा रहा है। वह अपने भाई व दादा के साथ रहती है। अभी यह नहीं पता लगा है कि वह उज्जैन कैसे पहुंची। महाकाल की इस प्रसिद्ध तीर्थनगरी में खून से सनी अर्धनग्न बच्ची की उपेक्षा करने वालों के बर्ताव ने संवेदनशील लोगों को फिर से झकझोर दिया। हम शुष्क और बेपरवाह समाज में तब्दील होते जा रहे हैं। पुलिसिया झमेलों व सवाल-जवाब से बचने के बहाने प्रत्यक्षदर्शी बेरुखी अपना लेते हैं। अदालतें बार-बार कह चुकी हैं कि मददगारों को पुलिस तंग नहीं कर सकती। मगर इसका भी जनता पर कोई असर नहीं हो रहा। अब तक महानगरवासियों की संवेदनशीलता को दोष दिया जाता था। मगर कालों के भी काल कहलाने वाले ज्योतिर्लिंगों में शामिल शिव के नगरवासियों का यह निष्ठुर बर्ताव विचारणीय है। कहना गलत नहीं है कि रेप पीड़िता के मन-मस्तिष्क पर पूरी जिंदगी इसका असर रहता है। इसलिए राज्य सरकार का फर्ज है कि इस बच्ची का मानसिक इलाज भी करवाए। देशवासियों को भी विचारना होगा कि वे अपने भीतर के करुणा भाव का गला यों न घोंटें।

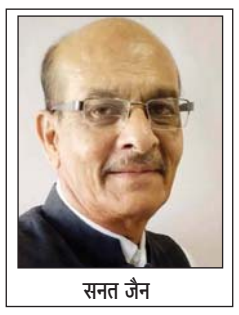

सनत जैन

मद्रास हाईकोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

मद्रास हाईकोर्ट के न्यायाधीश पी वेलुमुरूगन ने तमिलनाडु के धर्मपुरी मे 18 आदिवासी महिलाओं के साथ दुष्कर्म और क्रूरता के आरोप में सरकारी कर्मचारियों को सजा सुनाई है। हाईकोर्ट ने 215 सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों को 1 वर्ष से लेकर 10 वर्ष तक की सजा का फैसला सुनाया है। पीड़िताओं को 10 लाख रुपए का मुआवजा देने का आदेश दिया है। हाई कोर्ट ने 500000 सरकार की ओर से तथा 5 लाख रुपये दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों से वसूल करने के आदेश सरकार को दिए हैं। तमिलनाडु हाईकोर्ट ने 4 आईएफएस अधिकारियों सहित वन विभाग के 126 कर्मचारियों, 84 पुलिस कर्मियों तथा 5 राजस्व विभाग के कर्मचारियों को यह सजा सुनाई है। यह प्रकरण 1992 से न्यायालय में चल रहा था। इसका निपटारा 2023 में हाईकोर्ट से हुआ है। तमिलनाडु हाईकोर्ट ने अपने आदेश में तत्कालीन जिला कलेक्टर, जिला पुलिस अधीक्षक और जिला वन अधिकारी पर कड़ी कार्रवाई करने की अनुशंसा की है। तमिलनाडु

हाईकोर्ट का यह फैसला ऐतिहासिक है। इस फैसले में शासकीय अधिकारियों और कर्मचारियों की जिम्मेदारी तय की गई है। उन्हें उपयुक्त सजा भी कानून के अनुसार दी गई है। यदि इसी तरह हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट से सरकारी अधिकारी, कर्मचारी और राजनेताओं के कार्यों में उनकी जिम्मेदारी तय की जाए, तो निश्चित रूप से अपराधों में नियंत्रण तथा कानून का राज बनाने की दिशा में न्यायपालिका का यह बड़ा सफल प्रयास माना जाएगा। 1990 के दशक में चंदन लकड़ी का कुख्यात तस्कर वीरप्पन को पकड़ने के लिए तमिलनाडु सरकार द्वारा सघन अभियान चलाया गया था। इस दौरान ग्रामीणों और आदिवासियों के साथ पूछताछ के दौरान दुर्व्यवहार, शारीरिक शोषण और प्रताड़ना स्थानीय लोगों को सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा दी गई थी। 20 जून 1992 को चेन्नई से लगभग 293 किलोमीटर दूर वाचथी गांव में चंदन की कटाई करने की सूचना वन विभाग को मिली थी। सूचना मिलने के बाद बड़ी संख्या में वन विभाग और राजस्व विभाग का अमला धर्मपुरी के वाचथी गांव पहुंचा था। सरकारी अमले ने स्थानीय लोगों के साथ पूछताछ के नाम पर अभद्र व्यवहार किया। शारीरिक प्रताड़ना दी। जिसके कारण ग्रामीणों और अधिकारियों के बीच में हिंसक झड़प हुई। उसके बाद बड़ी संख्या में पुलिस बल वहाँ पहुंचा। उसके बाद सरकारी अमले ने ग्रामीणों का बड़े पैमाने पर दो दिन तक उत्पीड़न किया गया। इस पूरे मामले में 155 वन कर्मी, 108 पुलिसकर्मी, छह राजस्व अधिकारी सहित 269 अधिकारी और कर्मचारी उस गांव में मौजूद थे। 2 दिन तक सरकारी अमले ने घरों में घुसकर ग्रामीणों को मारा। कई मवेशियों की हत्या कर दी।महिलाओं के साथ सरकारी कर्मी हैवानियत से पेश आए। 18 महिलाओं के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया।उसमें गर्भवती और 13 साल तक की बच्ची भी शामिल थी। 13 साल की बच्ची स्कूल जा रही थी। तभी सरकारी कर्मचारियों ने पकड़ कर उसके साथ बलात्कार किया।थाने में दो रात तक सोने नहीं दिया गया। 2 दिन तक लगातार शारीरिक उत्पीड़न करते रहे। सरकारी अमले ने आतंक का राज कायम कर लिया था। 94 महिलाओं और 28 बच्चों को 1 महीने तक जेल में रखा गया। इस गांव के अधिकतर लोग आदिवासी और दलित थे।इस मामले का फैसला आने में 32 साल लगे। लेकिन जिस तरह से हाईकोर्ट ने न्याय किया है। उसकी जितनी तारीफ की जाए,कम है।पहली बार हाईकोर्ट का एक ऐसा आदेश देखने को मिला है। जिसमे सरकारी अमले ने कानून से मिले अधिकारों का दुरुपयोग किया। आदिवासी और दलित महिलाओं का अमानुषिक उत्पीड़न किया।वहीं ग्रामीण जनों के साथ मारपीट करके उनके घर और मवेशी जला दिए गए। इस आतंकी कार्यवाही में गरीबों के साथ जो अन्याय सरकारी अमले द्वारा किया गया था, उसकी सजा सरकारी अधिकारियों, कर्मचारियों को देकर हाईकोर्ट ने, जनमानस को यह विश्वास दिलाया है, कि भारत में कानून का राज है। जनतंत्र है, राजतंत्र नहीं।

वैश्विकी : भारत-अमेरिका संबंधों पर काली छाया

डॉ. दिलीप चौबे

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भारत और अमेरिका दोनों के लिए बड़ी कूटनीतिक चुनौती पेश कर दी है।

ट्रूडो की नासमझी या शरारत के कारण अंतरराष्ट्रीय संबंधों में ही न हीं बल्कि भारत के राजनीतिक-सामाजिक जीवन में भी समस्या पैदा हो सकती है। खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर ट्रूडो के आरोप करीब 15 दिन बाद भी कूटनीतिक संबंधों में तनाव का कारण बने हुए हैं। इस विवाद की काली छाया भारत और अमेरिका के संबंधों पर भी पड़ सकती है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर की लंबी अमेरिका यात्रा भी इस विवाद को सुलझाने में सफल नहीं हो पाई। जयशंकर ने अमेरिकी विदेश मंत्री ब्लिंकन से कई बार मुलाकात की तथा भारत का पक्ष रखा। जयशंकर ने कनाडा में खालिस्तान समर्थकों की गतिविधियों और हिंसक वारदात की विस्तार से जानकारी दी लेकिन लगता है कि ब्लिंकन ने एक कान से सुना और दूसरे कान से निकाल दिया। अपने ताजा बयान में ब्लिंकन ने वही बात कही जो करीब 15 दिन पहले कही थी।

उन्होंने कहा कि भारत को जांच में कनाडा के साथ सहयोग करना चाहिए तथा दोषियों को सजा मिलनी चाहिए। ब्लिंकन ने एक बार भी कनाडा, अमेरिका,

ब्रिटेन और आस्ट्रेलिया में खालिस्तानी तत्वों की मौजूदगी और भारत विरोधी गतिविधियों के बारे में एक शब्द भी नहीं कहा। जाहिर है कि ब्लिंकन के इस रवैये से जयशंकर क्षुब्ध हुए होंगे। उन्होंने शालीनता का परिचय देते हुए कहा 'ब्लिंकन ने जो कहा उसे हमने देखा है। हमें यह आशा है कि हम जो कह रहे हैं, वह अमेरिका देख रहा है। इस संबंध में हमें आगे कुछ नहीं कहना।' जयशंकर का यह बयान एक भूचाल का भी संकेत हो सकता है।

कनाडा और अमेरिका के रवैये से खालिस्तानी तत्वों के हौसले बुलंद हैं। इसका ताजा उदाहरण स्काटलैंड के गुरुद्वारे में भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोरईस्वामी को प्रवेश से रोका जाना है। दो खालिस्तान समर्थकों की इस करतूत के सामने गुरुद्वारा प्रबंधक कमिटी के सदस्य बेबस नजर आए। इसका कारण यह है कि खालिस्तान समर्थक तत्वों को कानून-व्यवस्था और पुलिस का कोई भय नहीं है। ब्रिटेन की विपक्षी लेबर पार्टी के कई सांसद खालिस्तान समर्थकों को शह देते हैं। यह आश्चर्य की बात है कि खालिस्तान समर्थक तत्वों द्वारा भारतीय राजनयिकों को धमकियां देने और राजनयिक मिशनों को निशाना बनाए जाने के बारे में पश्चिमी देशों की सरकारें निष्क्रिय क्यों हैं।

वास्तव में इन देशों में भारत ही नहीं बल्कि श्रीलंका और बांग्लादेश सहित अनेक देशों के पृथकतावादी और आतंकवादी पनाह लिए हुए हैं। बांग्लादेश ने खुले रूप से आरोप लगाया है कि बंगबंधु शेख मुजीबुर्रहमान के हत्यारे कनाडा में निर्द्वंद्व घूम रहे हैं। उनके बांग्लादेश प्रत्यर्पण की मांग पर कनाडा सरकार कोई ध्यान नहीं दे रही है। यह सच्चाई है कि पश्चिमी देश विभिन्न देशों के आतंकवादी और अलगाववादियों को अपने यहां पनाह देते हैं तथा उन देशों में अस्थिरता पैदा करने के लिए इन तत्वों का इस्तेमाल किया जाता है।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अमेरिका के नेताओं को बताया कि कनाडा का यह रवैया नया नहीं है। कनाडा 1980 के दशक से ही भारत के लिए समस्या बना हुआ है। बीच के कालखंड में कुछ सुधार हुआ था, लेकिन हाल के वर्षों में खालिस्तानी तत्वों की गतिविधियों में फिर तेजी आ गई है। नागरिक विमानन के क्षेत्र में बड़ी आतंकवादी घटना एअर इंडिया के कनिष्क विमान को नष्ट किया जाना था। मृतक अधिकांश यात्रियों में भारतीय शामिल थे। कनाडा सरकार ने इस आतंक की घटना पर पर्दा डालने की हरसंभव कोशिश की। प्रधानमंत्री ट्रूडो भी इसी नीति का अनुसरण कर रहे हैं।

अमेरिका और कनाडा के बीच 'खून का रिश्ता' है। अमेरिकी सरकार हमेशा कनाडा की हां-में-हां मिलाएगी। आने वाले दिनों में खालिस्तान का मुद्दा भारतीय विदेश नीति को नया मोड़ देने का कारण बन सकता है। पश्चिमी देशों की मीडिया पहले से ही प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार का विरोध करते रहे हैं। अब वहां की सरकारें भी ऐसा रवैया अपनाने का संकेत दे रही हैं। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने संबोधन में जयशंकर ने कनाडा और पश्चिमी देशों की परोक्ष आलोचना की। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के बारे में दोहरा रवैया बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

चिंतन-मनन

उत्सव है बुद्धत्व

बुद्धत्व मौलिक रूप से प्रांति है, विद्रोह है, बगावत है। काशी के पंडितों की सभा प्रमाणपत्र थोड़े ही देगी बुद्ध को! बुद्धपुरुष तुम्हें पोप की पदवियों पर नहीं मिलेंगे और न शंकराचार्यों की पदवियों पर मिलेंगे। क्योंकि ये तो परंपराएं हैं। और परंपरा में जो आदमी सफल होता है, वह मुर्दा हो तो ही सफल हो पाता है। परंपरा के द्वारा पद पाना सिर्फ मुर्दों के भाग्य में हैं, जीवंत लोगों के नहीं। यह सौभाग्य है जीवितों का और मुर्दों का दुर्भाग्य! इसलिए तुम कैसे पहचानोगे? और पूरी पहचान का तुम विचार ही मत करना। क्योंकि तुम पूरा पहचानोगे तो तुम बुद्ध हो जाओगे और तुम बुद्ध होते तो पहचानने की जरूरत न थी। तुम नहीं हो, इसीलिए तो पहचानने चले हो।

इसलिए पूरे-पूरे का खयाल मत करना। छोटा सा टुकड़ा चांदनी का तैर आए तुम्हारे पास, तो बहुत धन्यभाग! अहोभाग! तुम उतने ही पर भरोसा करना। उस चांदनी के टुकड़े को पकड़ कर अगर बढ़ते रहे, चलते रहे, तो किसी दिन पूरे चांद के भी मालिक हो जाओगे। किसी दिन पूरा आकाश भी तुम्हारा हो जाएगा। तुम्हारा है; लेकिन अभी तुम्हें पहुंचना नहीं आया, चलना नहीं आया। अभी तुम घुटने के बल चलते हुए छोटे बच्चे की भांति हो। अभी तुम्हें चलने का अभ्यास करना है।

तो संत उदास नहीं होंगे। बुद्धपुरुष उदास नहीं होंगे। जिनको तुम देखते हो मंदिरों-मस्जिदों में बैठे गुरु-गंभीर लोग, लंबे चेहरों वाले लोग, बुद्धपुरुष वैसे नहीं होंगे। बुद्धपुरुष तो उत्सव है। बुद्धपुरुष तो ऐसा है जिसमें अस्तित्व के कमल खिल गए। बुद्धपुरुष गंभीर नहीं। बुद्धपुरुष के पास तो मृदुहास मिलेगा। हल्की-हल्की हंसी। एक मुस्कुराहट। एक स्मित। एक उत्सव। एक आनंदभाव। तो तुम्हारी आंसुओं से भरी आंखों और कारागृह में दबे चित्त के पास अगर तुम्हें कभी कोई एक स्मित, एक हास, एक उत्सव की झलक भी आ जाए, तो छोड़ा मत उन चरणों को।

उन्हीं के सहारे तुम परममुक्ति और स्वातंत्र्य के आकाश तक पहुंच जाओगे। अब तक तो तुम्हारी पहचान पतझड़ से थी। तुम्हारा जीवन राग आंसुओं और रुदन से भरा था। तुमने जीवन का कोई और अहोभाव का क्षण जाना नहीं था। नरक ही नरक जाना था। जिस क्षण किसी व्यक्ति के पास तुम्हें लगे- हवा का झोंका आया- स्वच्छ, ताजा, मलयाचल से चलकर, पहाड़ों से उतर कर तुम्हारी घाटियों में, तुम्हारे अंधेरे में- हवा का ऐसा झोंका जिसके पास अनुभव में हो जाए, समझना बुद्धत्व करीब है। कुछ घटा है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश के स्तर से 22 जनपदों में टीमें भेजकर किया गया मूल्यांकन एवं अनुश्रवण!

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। भारत सरकार के जनसमुदाय में विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति जागरूकता बढाने और महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं से संतृप्त करने के उद्देश्य की पूर्ति के लिए आयुष्मान भवः अभियान के अंतर्गत उत्तर प्रदेश में प्रत्येक शनिवार को समस्त उपकेन्द्र स्तरीय एवं नगरीय हेल्थ एवं वेलनेस सेंटरों पर और प्रत्येक रविवार को समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्तरीय तथा नगरीय स्वास्थ्य केंद्र स्तरीय हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों में आयुष्मान भव अभियान के अंतर्गत आयुष्मान मेला का आयोजन किया जा रहा है। इन मेलों के सफल आयोजन हेतु मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश दुर्गा शंकर मिश्र, आई0ए0एस0 द्वारा पूर्व में सभी मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों को पत्र प्रेषित कर आयुष्मान मेलों के उद्देश्य और क्रियान्वयन कार्यक्रम के सम्बन्ध में निर्देशित किया जा चुका है। इस क्रम में, आज द्वितीय रविवार को आयुष्मान मेले का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश ने प्रदेश में इन मेलों के

अनुश्रवण एवं मूल्यांकन के लिए 22 जनपदों में 22 राज्य स्तरीय टीमों को रवाना किया, जिसमें विभिन्न विशेषज्ञों, जन–स्वास्थ्य के अनुभव के चिकित्सकों और अधिकारियों को शामिल किया गया है।

आयुष्मान मेलों का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित आबादी वाले क्षेत्रों में गुणवत्तापरक स्वास्थ्य सुविधाओं को सुनिश्चित करना, आयुष्मान कार्ड के महत्व और वितरण के सम्बन्ध में जागरूकता बढ़ाना, आभा आई0डी0 बनाना, गैर–संचारी रोगों की स्क्रीनिंग सेवाओं के महत्व के बारे जागरूकता बढ़ाना, क्षय जैसे जानलेवा संचारी रोगों के उपचार और उन्मूलन पर कार्य करना, हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर दी जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं से सम्बंधित विषयों के बारे में समुदाय से फीडबैक लेना, निवारक स्वास्थ्य देखभाल के लिए समग्र दृष्टिकोण पर ध्यान केन्द्रित करना और मिथकों एवं भ्रांतियों को दूर करना और ब्लाक स्तरीय स्वास्थ्य इकाइयों पर विशेषज्ञ चिकित्सा उपलब्ध कराना है, आदि।

आज द्वितीय सप्ताह के रविवार को क्षय, कुष्ठ अन्य संचारी रोगों की जांच, चिन्हीकरण, उपचार और जनजागरूकता सम्बन्धी गतिविधियों वाले आयुष्मान मेलों का आयोजन प्रदेश के समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्तरीय तथा नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्तरीय हेल्थ एंड वेलनेस केंद्रों में किया गया! शनिवार को आयोजित स्वास्थ्य मेला में 77,982 नागरिकों को टेली कंसल्टेशन सुविधा के माध्यम से चिकित्सीय परामर्श प्रदान किया गया। किसी भी एक दिन में यह अब तक की सर्वाधिक संख्या है। आज के आयुष्मान मेलों में "स्वच्छता ही सेवा" अभियान को शामिल किया गया और समस्त स्वास्थ्य इकाइयों में सफाई अभियान चलाकर सफाई के महत्व पर चर्चा की गई। आज ही, राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस के अवसर विभिन्न सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में रक्तदान शिविरों का भी आयोजन किया गया।

चोरी के मोबाइल के साथ एक गिरफ्तार,भेजा जेल

खबर दृष्टिकोण

मोहनलालगंज। निगोहां कस्बे में स्थित बिजली की दुकान से बीते शनिवार को चोरी हुये मोबाइल व ड्राइविंग लाइसेंस के साथ पुलिस ने रविवार को शातिर चोर को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया,जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

इंस्पेक्टर विनोद यादव ने बताया निगोहां कस्बे में स्थित बिजली की दुकान के मालिक दिलीप कुमार सिहं का मोबाइल व ड्राइविंग लाइसेंस बीते शनिवार को चोरी हो गया था,पीड़ित के बेटे की तहरीर पर अज्ञात चोर पर मुकदमा दर्ज कर रविवार को मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने शातिर चोर मनोज प्रजापति निवासी हरबंशखेड़ा मजरा सिर्स थाना निगोहां को नर्सरी मोड़ से गिरफ्तार कर उसके पास से चोरी का मोबाइल व ड्राइविंग लाइसेंस,सिमकार्ड बरामद किया।दर्ज चोरी के मुकदमें में बरामदगी की धारा बढाकर दबोचे गये शातिर चोर को न्यायालय में पेश किया गया,जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

भारत निर्वाचन आयोग की अनूठी पहल पर सम्मानित किए गये शतायु मतदाता

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश के क्रम में प्रदेश की सभी विधानसभाओ मे अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर वृद्ध एवं शतायु मतदाता सम्मान समारोह आयोजित किया गया। सम्मान समारोह के माध्यम से वृद्ध मतदाताओं को माल्यार्पण कर एवं भारत निर्वाचन आयुक्त का सम्मान पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। समारोह के दौरान वृद्ध, शतायु मतदाताओं का हालचाल एवं मतदान का अनुभव भी जाना गया। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग की अनूठी पहल के माध्यम से चुनावी प्रक्रिया में वृद्ध मतदाताओं के निरंतर योगदान एवं लोकतंत्र को मजबूत बनाने और अपना अमूल्य योगदान देने के दृष्टिगत वृद्ध मतदाताओं को सम्मानित किया जा रहा है, जिससे मतदाताओं में क्रेज बढेघ्गा। वृद्ध मतदाताओं ने वोट के महत्व के प्रति भावी पीढ़ियों को जागरूक व प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वरिष्ठ मतदाताओं के बहुमूल्य अनुभवों से अन्य मतदाताओं विशेषकर युवाओं को जागरूक एवं अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। वरिष्ठ मतदाताओं की चुनाव प्रक्रिया में भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए भारत निर्वाचन आयोग सदैव प्रयासरत है।

पूर्व ब्लॉक प्रमुख सुदामा दीक्षित पर हुई कार्यवाही निंदनीय,

सर्व ब्राम्हण समाज करेगा विरोध-रामजी शुक्ला

खबर दृष्टिकोण संवाददाता जालौन

उरई। सर्व ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राम जी शुक्ला ने आज पूर्व ब्लॉक प्रमुख सुदामा दीक्षित की गिरफ्तारी का विरोध करते हुए कहा कि पूर्व ब्लाक प्रमुख सुदामा दीक्षित को एक षड्यंत्र के तहत झूठे मुकदमे में फंसा कर गिरफ्तार किया गया है, इतना ही नहीं उनके समर्थकों के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज कर हिटलर शाही का परिचय दिया गया है। उन्हों ने कहा कि एक जाति विशेष के लोगों को आज जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है उनके खिलाफ सत्ता पक्ष के दबाव में आकर कार्रवाई की गई है ,उन्होंने कहा आगामी दिनों में इस तरह की कार्यवाहियां समाज मे भेद को बढ़ाने का काम करेगी।श्री शुक्ला ने कहा कि समाज का नेतृत्व करने वाली ब्राह्मण जाति को निशाने पर लिया जा रहा है उसके खिलाफ जिस तरह षड्यंत्र किया जा रहे हैं वह ब्राह्मण समाज कभी बर्दाश्त नहीं करेगा । सर्व ब्राह्मण समाज एकजुट होकर एक स्वर में ऐसी ल कार्रवाइयों का विरोध करेगा ,आने वाले दिनों में ब्राह्मण समाज ऐसे मामलों से निपटने के लिए रणनीति क्या करेगा ताकि इस तरह की कार्रवाई न हो सके। उन्होंने कहा कि इस कार्रवाई को लेकर माननीय राज्यपाल महोदय को सर्व ब्राह्मण महासभा ज्ञापन देगा तथा तत्काल प्रभाव से मुकदमा वापस लेने की मांग करेगा।

सत्ता की धौंस में निर्दोषों पर फर्जी कार्रवाई बर्दाश्त नहीं – केंद्रीय मंत्री

खबर दृष्टिकोण संवाददाता जालौन

स्वागत समारोह के मंच से एक जनप्रतिनिधि को दे डाली नसीहत बोले यह सब किया तो पार्टी पैदल करना भी जानती है। अवसर था कोंच में भाजपा जिलाध्यक्ष उर्विजा दीक्षित के प्रथम बार नगर आगमन पर स्वागत का। इसके लिए कोंच के गहोई भवन में स्वागत समारोह आयोजित किया गया। अपने गृह नगर में केंद्रीय राज्य मंत्री भानुप्रताप वर्मा ने उनका स्वागत किया और फिर मंच संभाला और संबोधन शुरू किया तो मौजूदा जिले के हालातों को देखते हुए क्रोध भरे लहजे में सीधे तौर पर दूसरे दल से भाजपा में आए एक नेता को निशाने पर लिया। कहा कि सत्ता की धौंस में निर्दोषों पर फर्जी कार्रवाई कराने के आदी जनप्रतिनिधियों को पार्टी कुछ देना जानती है तो पैदल करना भी जानती है। यह सब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पिछले दिनों एक मामले को लेकर पूर्व ब्लाक प्रमुख सुदामा दीक्षित को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा । इस गिरफ्तारी के पीछे भाजपा के ही एक नेता का हाथ माना जा रहा है। गिरफ्तारी को लेकर जिले भर में आलोचना शुरू हो गयी। खासतौर पर ब्राह्मण वर्ग इससे नाराज है। इसकी जानकारी भाजपा को भी है। ऐसी उम्मीद की जा रही है कि केंद्रीय राज्य मंत्री भानु प्रताप सिंह वर्मा फिर से चुनाव लड़ेंगे। लेकिन जिस प्रकार की राजनैतिक गतिविधियां इस वक्त हैं इससे भानु प्रताप वर्मा भी चिंतित हुए हैं। बताया जाता है कि पार्टी के एक नेता से इस वक्त वह काफी नाराज हैं। मामला सपा के नेता का है पर बेचौनी अब भाजपा में है। कल से आज तक केंद्रीय राज्य मंत्री कई जगह नाम लिए बिना काफी करारे प्रहार कर चुके हैं।

कोंच के गहोई भवन में भाजपा विधायक मूलचंद निरंजन की मौजूदगी में मंत्री ने कहा कि जो जनप्रतिनिधि गरीबों का उत्पीड़न करते हैं या सत्ता की धौंस में निर्दोषों पर फर्जी कार्रवाई के आदी हैं तो ऐसे लोगों को पार्टी पैदल करना भी जानती है। इशारा साफ उस नेता पर था जो किसी दूसरे दल से भाजपा में लोकसभा चुनाव के वक्त आये थे।

पेंशनर्स के बीच बोले केंद्रीय मंत्री

उरई। केंद्रीय मंत्री भानुप्रताप वर्मा की नाराजगी सिर्फ कोंच में ही नहीं दिखी। रविवार को वह उरई के जानकी पैलेस में आयोजित पेंशनर्स कार्यक्रम में भी तल्ख दिखे। उन्होंने कहा कि कुछ लोग भाजपा में दूसरे दलों से आये हैं, वे अब हमारे यहां लंगूर जैसी छलांग लगा रहे हैं।

साधारण कार्यकर्ता भी परेशान

उरई। भाजपा के भीतर ही मची इस उठापटक से साधारण कार्यकर्ता भी परेशान है। जिले के गांव गांव अब पूर्व ब्लाक प्रमुख सुदामा दीक्षित के जेल जाने की ही चर्चा हो रही है । ब्राह्मण वर्ग में इस प्रकरण को लेकर खासा आक्रोश पनप रहा है। यदि इसे थामा न गया तो भविष्य में विरोधी दल इसे मुद्दा बनाने से पीछे नहीं रहेंगे और इसका सीधा नुकसान भाजपा को उठाना पड़ सकता है। सूत्रों के अनुसार भाजपा का एक बड़ा धड़ा यह मान रहा है कि जिस प्रकार से राजनैतिक शत्रुता हो रही है, इससे जिले को भी नुकसान होगा।

सत्ता का गुरूर ठीक नहीं

उरई। एक दिन पहले कुठौंद में उन्होंने कहा कि सत्ता के गुरूर में किसी नेता को इतनी ताकत नहीं मिल जाती है कि वह किसी निर्दोष या गरीब को धमकी दे या उसे फर्जी मामले में फँसाये। जो लोग ऐसा कर रहे हैं उन्हें ये भी समझ लेना चाहिए कि भाजपा यदि पद दिला सकती है तो पद छीन कर पैदल भी करवा सकती है।

एसडीएम ने 101वर्षीय बुजुर्ग मतदाता को सम्मानित

खबर दृष्टिकोण

मोहनलालगंज। अंतरराष्ट्रीय वृद्ध जन दिवस पर सौ साल या उससे अधिक की आयु के मतदाताओ को मोहनलालगंज तहसील प्रशासन ने सम्मानित किया।एसडीएम हनुमानघ्प्रसाद मौर्य ने रविवार को मोहनलालगंज नगर पंचायत के अतरौली गांव पहुंचकर 101वर्ष की आयु पुरी कर चुके वयोवृद्ध शीतला सहाय शुक्ला को माला पहनाकर व अंगवस्त्र समेत मिठाई भेटकर सम्मानित किया।

परिजनो ने एसडीएम को बताया वयोवृद्ध शीतला सहाय का आज जन्मदिन भी है,जिसके बाद उन्होने मिठाई खिलाकर जन्मदिन की बंधाई दी।एसडीएम

हनुमान प्रसाद मौर्य ने कहा कि सशक्त लोकतंत्र के लिये प्रत्येक नागरिक की भागीदारी जरूरी है।मतदान के जरिये लोकतंत्र को सशक्त बनाने में वरिष्ठ,शतायु मतदाताओ ने बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।भारत को एक मजबूत लोकतंत्र बनाने में उनकी भूमिका के लिये निर्वाचन आयोग की ओर से सम्मानित कर उनका आभार व्यक्त किया गया हैं।

ब्राह्मण समाज की बैठक में समाज के उत्थान पर हुई चर्चा

सोहावल–अयोध्या(आरएनएस)। तहसील क्षेत्र के कुंडौली गांव स्थित परशुराम मंदिर पर ब्राह्मण समाज की बैठक हुई। कप्तान तिवारी तथा करूणाकर पांडेय के संयुक्त नेतृत्व में समारोह पूर्वक आयोजन हुआ। चौपाल का क्रमवार श्याम तिवारी अधिवक्ता सुधीर कुमार मिश्र ने संचालन किया। बैठक में समाज से जुड़ी परेशानियों को लेकर चर्चा हुई। सुल्तानपुर में डा0 तिवारी की हत्या तथा ब्राह्मण समाज को अपमानित करने उसके निदान एवं एकता पर बल देने की चर्चाए प्रमुख रही। गोंडा से आए श्याम तिवारी ने कहाकि हमारा किसी धर्म समाज तथा दल से पक्ष अथवा विपक्ष बनने से अच्छा समाज में फैली अनेकता को एकता का रूप देने का काम करना होगा। समाज के गरीबों के उत्थान तथा हो रहे शोषण के विरूद्ध आवाज उठाकर न्याय दिलाना होगा। राजनीति से अलग हटकर हुई बैठक में प्रमुख वक्ताओं में सुनील पाठक, संतोष दूबे, दिलीप नरायण त्रिपाठी, सुड्डू मिश्रा, अमर नाथ पांडेय ,अनिल तिवारी, पारस नाथ पांडेय ,रमाकांत दूबे, संतोष पांडेय, लक्षण धर द्विवेदी, बाबूराम पांडेय ने चिंहित कर होने वाले उत्पीड़न पर आक्रोश व्यक्त करते हुए वोट की कीमत और जो हमारे समाज के हित की बात ही नहीं काम की गारंटी

सड़क दुर्घटना में घायल वृद्ध की मौत

मिल्कीपुर–अयोध्या(आरएनएस)। थाना इनायत नगर क्षेत्र के ग्राम सभा अछोरा के मजरे पूरे कोहरान के रहने वाले 62 वर्षीय शिवदास प्रजापति शनिवार को किसी कार्य से अपनी मोपेड एक्सेल से हैरिंग्टनगंज गए थे, वहां से लौटते समय जैसे ही अछोरा तिराहे पर पहुंचे अज्ञात बुलेट सवार ने टक्कर मारकर मौके से फरार हो गया। दुर्घटना की खबर पाते ही परिजन आनन–फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मिल्कीपुर ले गए जहां हालत गंभीर देखते हुए इलाज के लिए जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल में भी गंभीर स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद लखनऊ ट्रामा सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया जहां ले जाते समय रास्ते में ही घायल वृद्ध ने दम तोड़ दिया। इस मामले में जब इनायत नगर थाने के प्रभारी निरीक्षक अरुण प्रताप सिंह से बात की गई तो उन्होंने बताया कि घटना की जानकारी है लेकिन अभी कोई तहरीर नहीं मिली है।

टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट का हुआ शुभारंभ

अयोध्या। रविवार को उर्मिला कालेज ऑफ इंस्टीट्यूशन्स, कोटसराय, अयोध्या के प्रागंण में स्व. बाबू इच्छाराम सिंह स्मारक जिला स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेन्ट का भव्य शुभारम्भ किया गया। जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ–साथ उद्घाटन में मुख्य अतिथि सीआरपीएफ कमान्डेन्ट छोटे लाल व असिस्टेन्ट कमान्डेन्ड विनय कुमार सिंह ने पूर्व विधायक जितेन्द्र सिंह बब्लू भईया की उपस्थिति में कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। पूर्व सदस्य विधान परिषद लीलावती कुशवाहा एवं जितेन्द्र सिंह बब्लू भईया के द्वारा फीता काटकर क्रिकेट का शुभारम्भ किया गया। ये जनपद स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट है इस टूर्नामेंट में जनपद की 41 टीमों ने भाग लिया है वह सारी टीम इस टेनिस क्रिकेट टूर्नामेंट में खेलेंगे और इस टूर्नामेंट का समापन 8 व 9 अक्टूबर को होगा और विजेता टीम को पुरस्कृत किया जाएगा।वही बबलू सिंह विधायक ने बताया कि मेरे पिताजी मै खिलाड़ी रहा हूं और मैं सभी से यही कहूंगा कि सभी को खेल में भाग लेना चाहिए खेल खेलने से मस्तिष्क का सर्वांगीण विकास होता है शरीर स्वस्थ होता है और खिलाड़ी को आगे बढ़ने का मौका मिलता है इसलिए सभी को खेल में रुचि लेकर खेल खेलना चाहिए। इस क्रिकेट टूर्नामेंट शुभारंभ कार्यक्रम के अवसर पर सर्वजीत सिंह ब्लाक प्रमुख रुदौली, प्रमोद सिंह पूर्व ब्लाक प्रमुख तारुन, शिव कुमार सिंह पूर्व ब्लाक प्रमुख बीकापुर,धमेन्द्र सिंह काजू,शुभम ओझा, अरुन भारती, दुर्गेश सिंह, अजीत सिंह, उपस्थित रहे। इस क्रिकेट टूर्नामेंट में प्रथम दिन पुरुष खिलाड़ी टीम हाजीपुर राजपूत क्रिकेट क्लब वर्सेस अहमद अली,क्रिकेट क्लब के बीच खेला गया। जिसमें राजपूत क्रिकेट क्लब ने विजय हासिल की। बालिका खिलाड़ी टीम जिला विद्यालय क्रीडा टीम वर्सेस नाईन स्टार क्रिकेट क्लब के बीच खेला गया जिसमें जिला विद्यालय क्रीडा टीम ने विजय हासिल किया।

सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर आयुष्मान भवः मेले का हुआ आयोजन

लगभग 2930 लाभार्थियो ने प्राप्त किया चिकित्सीय परामर्श

अयोध्या। आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु रविवार को जनपद अयोध्या के 14 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर आयुष्मान भवः मेला एवम 28 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, 6 अर्बन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर मुख्यमंत्री आरोग्य मेला का आयोजन किया गया। जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर समाज के जनप्रतिनिधियों द्वारा आयुष्मान भवः मेले का उद्घाटन किया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ,पूरा बाजार अयोध्या में नगर सदर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता , अन्य जनपद प्रतिनिधियों के साथ आयुष्मान भवः मेले का उद्घाटन किया साथ ही आयुष्मान गोल्डन कार्ड का वितरण एवम क्षेत्र जो आशा अच्छा कार्य कर रही हैं उनको पुरुस्कृत भी किया।

आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु आज दिनांक 01 अक्टूबर 2023 को जनपद अयोध्या के 14 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर आयुष्मान भवः मेला एवम 28 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, 6 अर्बन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर मुख्यमंत्री आरोग्य मेला का आयोजन किया गया। जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर समाज के जनप्रतिनिधियों द्वारा आयुष्मान भवः मेले का उद्घाटन किया।

सभी 14 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों , 28 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवम 6 अर्बन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर लगभग 2930 लाभार्थियो ने चिकित्सीय परामर्श प्राप्त किया । वर्तमान समय में लोग संचारी रोगों से ज्यादा परेशान है अतः उनको अपने क्षेत्र में साफ सफाई रखनी चाहिए , शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में लोगों को जल भराव वाले क्षेत्र में मिट्टी से उनको पाट देना चाहिए।

इससे क्षेत्र में मलेरिया, डेंगू ,चिकनगुनिया, आदि होने का खतरा कम हो जाता है साथ ही वर्तमान समय में लोगों की जीवन शैली में लगातार गिरावट होने के कारण एवम लोगों द्वारा धूर्मपान, पान मसाला आदि अत्यधिक सेवन करने से कम्युनिकेबल डिजीज जैसे कि हाइपरटेंशन, शुगर , मोटापा कैंसर हार्ट टैक आदि बीमारियों ग्रसित हो रहे है। इससे सम्बन्धित लाभार्थियो की जांचे की गई वा दवा भी दी गई। गर्भवती महिलाओं की एएन सी की जांच भी की गई । गंभीर रोगों से ग्रसित मरीजों को जिला पुरुष चिकित्सालयध्जिला महिला चिकित्सालयध्मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। आयुष्मान गोल्डन कार्ड वितरण भी किया गया एवम जो स्वास्थ्य कर्मी अच्छा कार्य करते है उनको पुरुस्कार दे कर प्रोत्साहित किया गया।

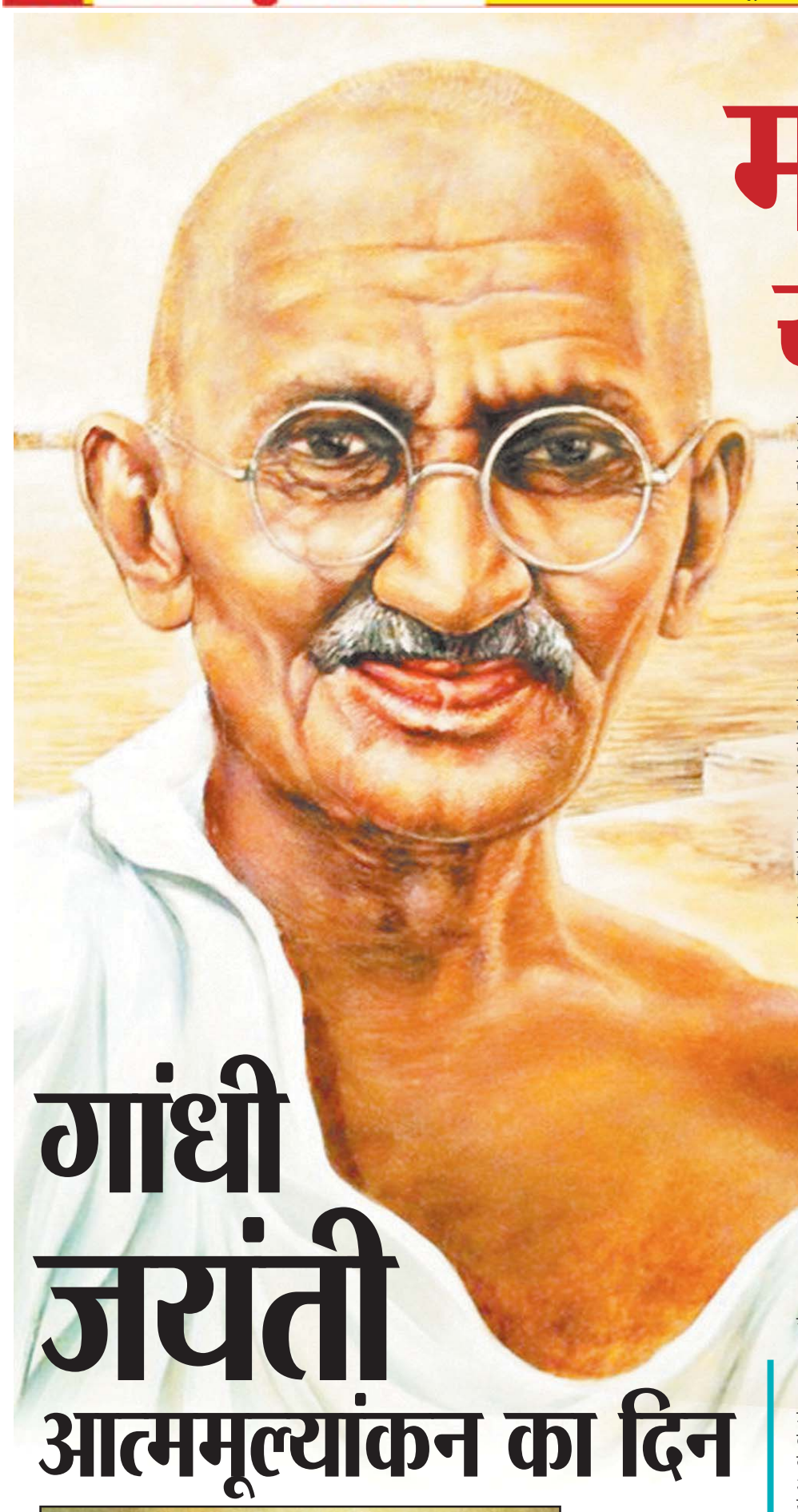

महात्मा गांधी
स्वतंत्र भारत के पिता

भारत के राष्ट्रपिता मोहनदास कर्मचंद गांधी जिन्हें बापू या महात्मा गांधी के नाम से भी जाना जाता है, के जन्म दिन 2 अक्तूबर को गांधी जयंती के रूप में मनाया जाता है। इस दिन को विश्व अहिंसा दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। वस्तुतः गांधीजी विश्व भर में उनके अहिंसात्मक आंदोलन के लिए जाने जाते हैं, और यह दिवस उनके प्रति वैश्विक स्तर पर सम्मान व्यक्त करने के लिए मनाया जाता है ।

मोहनदास करमचंद गांधी (2 अक्तूबर 1869 – 30 जनवरी 1948) भारत एवं भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के एक प्रमुख राजनैतिक एवं आध्यात्मिक नेता थे। वे सत्याग्रह – व्यापक सविनय अवज्ञा के माध्यम से अत्याचार के प्रतिकार के अग्रणी नेता थे, उनकी इस अवधारणा की नींव संपूर्ण अहिंसा पर रखी गई थी जिसने भारत को आजादी दिलाकर पूरी दुनिया में जनता के नागरिक अधिकारों एवं स्वतंत्रता के प्रति आंदोलन के लिए प्रेरित किया।उन्हें दुनिया में आम जनता महात्मा गांधी के नाम से जानती है। संस्कृत- महात्मा अथवा महान आत्मा एक सम्मान सूचक शब्द जिसे सबसे पहले रवीन्द्रनाथ टेगौर ने प्रयोग किया और भारत में उन्हें बापू के नाम से भी याद किया जाता है। उन्हें सरकारी तौर पर राष्ट्रपिता का सम्मान दिया गया है 2 अक्टूबर को उनके जन्म दिन राष्ट्रीय पर्व गांधी जयंती के नाम से मनाया जाता है और दुनियाभर में इस दिन को अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस के नाम से मनाया जाता है। सबसे पहले गांधी ने रोजगार अहिंसक सविनय अवज्ञा प्रवासी वकील के रूप में दक्षिण अफ्रीका, में भारतीय समुदाय के लोगों के नागरिक अधिकारों के लिए संघर्ष हेतु प्रयुक्त किया। 1915 में उनकी वापसी के बाद उन्होंने भारत में किसानों , कृषि मजदूरों और शहरी श्रमिकों को अत्याधिक भूमि कर और भेदभाव के विरूद्ध आवाज उठाने के लिए एकजुट किया। 1921 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की बागडोर संभालने के बाद गांधी जी ने देशभर में गरीबी से राहत दिलाने, महिलाओं के अधिकारों का विस्तार, धार्मिक एवं जातीय एकता का निर्माण, आत्म-निर्भरता के लिए अस्पृश्यता का अंत आदि के लिए बहुत से आंदोलन चलाएं। किंतु इन सबसे अधिक विदेशी राज से मुक्ति दिलाने वाले स्वराज की प्राप्ति उनका प्रमुख लक्ष्य था। गाँधी जी ने ब्रिटिश सरकार द्वारा भारतीयों पर लगाए गए नमक कर के विरोध में 1930 में दांडी मार्च और इसके बाद 1942 में , ब्रिटिश भारत छोड़ो आन्दोलन छेडकर भारतीयों का नेतृत्व कर प्रसिद्धि प्राप्त की। दक्षिण अफ्रीका और भारत में विभिन्न अवसरों पर कई वर्षों तक उन्हें जेल में रहना पड़ा। गांधी जी ने सभी परिस्थितियों में अहिंसा और सत्य का पालन किया और सभी को इनका पालन करने के लिए वकालत भी की। उन्होंने आत्म-निर्भरता वाले आवासीय समुदाय में अपना जीवन गुजारा किया और पंरपरागत भारतीय पोशाक धोती और सूत से बनी शॉल पहनी जिसे उसने स्वयं ने चरखे पर सूत कात कर हाथ से बनाया था। उन्होंने सादा शाकाहारी भोजन खाया और आत्मशुद्धि तथा सामाजिक प्रतिकार दोनों के लिए लंबे-लंबे उपवास भी किए।

गांधी दक्षिण अफ्रीका में (1895)

दक्षिण अफ्रीका में गान्धी को भारतीयों पर भेदभाव का सामना करना पड़ा। आरम्भ में उन्हें प्रथम श्रेणी कोच की वैध टिकट होने के बाद तीसरी श्रेणी के डिब्बे में जाने से इन्कार करने के लिए ट्रेन से बाहर फेंक दिया गया था। इतना ही नहीं पायदान पर शेष यात्रा करते हुए एक यूरोपियन यात्री के अन्दर आने पर चालक की मार भी झेलनी पड़ी। उन्होंने अपनी इस यात्रा में अन्य भी कई कठिनाइयों का सामना किया। अफ्रीका में कई होटलों को उनके लिए वर्जित कर दिया गया। इसी तरह ही बहुत सी घटनाओं में से एक यह भी थी जिसमें अदालत के न्यायाधीश ने उन्हें अपनी पगड़ी उतारने का आदेश दिया था जिसे उन्होंने नहीं माना। ये सारी घटनाएँ गान्धी के जीवन में एक मोड़ बन गईं और विद्यमान सामाजिक अन्याय के प्रति जागरुकता का कारण बनीं तथा सामाजिक सक्रियता की व्याख्या करने में मददगार सिद्ध हुईं। दक्षिण अफ्रीका में भारतीयों पर हो रहे अन्याय को देखते हुए गान्धी ने अंग्रेजी साम्राज्य के अन्तर्गत अपने देशवासियों के सम्मान तथा देश में स्वयं अपनी स्थिति के लिए प्रश्न उठाये।

1906 के जुलु युद्ध में भूमिका

1906 में, दक्षिण अफ्रीका में नए चुनाव कर के लागू करने के बाद दो अंग्रेज अधिकारियों को मार डाला गया। बदले में अंग्रेजों ने जूलू के खिलाफ युद्ध छेड़ दिया। गांधी जी ने भारतीयों को भर्ती करने के लिए ब्रिटिश अधिकारियों को सक्रिय रूप से प्रेरित किया। उनका तर्क था अपनी नागरिकता के दावों को कानूनी जामा पहनाने के लिए भारतीयों को युद्ध प्रयासों में सहयोग देना चाहिए। तथापि, अंग्रेजों ने अपनी सेना में भारतीयों को पद देने से इंकार कर दिया था। इसके बावजूद उन्होने गांधी जी के इस प्रस्ताव को मान लिया कि भारतीय घायल अंग्रेज सैनिकों को उपचार के लिए स्टेचर पर लाने के लिए स्वैच्छा पूर्वक कार्य कर सकते हैं। इस कोर की बागडोर गांधी ने थामी। 21 जुलाई 1906 को गांधी जी ने इंडियन ओपिनिय में लिखा कि 23 भारतीय निवासियों के विरूद्ध चलाए गए आप्रेशन के संबंध में प्रयोग द्वारा नेटाल सरकार के कहने पर एक कोर का गठन किया गया है। दक्षिण अफ्रीका में भारतीय लोगों से इंडियन ओपिनियन में अपने कॉलमों के माध्यम से इस युद्ध में शामिल होने के लिए आग्रह किया और कहा, यदि सरकार केवल यही महसूस करती हे कि आरक्षित बल बेकार हो रहे हैं तब वे इसका उपयोग करेंगे और असली लड़ाई के लिए भारतीयों का प्रशिक्षण देकर इसका अवसर देंगे।

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के लिए संघर्ष

1915 में, गांधी दक्षिण अफ्रीका से भारत में रहने के लिए लौट आएं।उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशनों पर अपने विचार व्यक्त किए, लेकिन वे भारत के मुख्य मुद्दों, राजनीति तथा उस समय के कांग्रेस दल के प्रमुख भारतीय नेता गोपाल कृष्ण गोखले जो एक सम्मानित नेता थे पर ही आधारित थे।

चंपारण और खेड़ा – गांधी की पहली बड़ी उपलब्धि 1918 में चम्पारन और खेड़ा सत्याग्रह, आंदोलन में मिली हालांकि अपने निर्वाह के लिए जरूरी खाद्य फसलों की बजाए नकद पैसा देने वाली खाद्य फसलों की खेती वाले आंदोलन भी महत्वपूर्ण रहे। जमींदारों (अधिकांश अंग्रेज) की ताकत से दमन हुए भारतीयों को नाममात्र भरपाई भत्ता दिया गया जिससे वे अत्यधिक गरीबी से घिर गए। गांवों को बुरी तरह गंदा और अस्वास्थ्यकर और शराब, अस्पृश्यता और पर्दा से बांध दिया गया। अब एक विनाशकारी अकाल के कारण शाही कोष की भरपाई के लिए अंग्रेजों ने दमनकारी कर लगा दिए जिनका बोझ दिन प्रतिदिन बढता ही गया। यह स्थिति निराशजनक थी। खेड़ा, गुजरात में भी यही समस्या थी। गांधी जी ने वहां एक आश्रम बनाया जहाँ उनके बहुत सारे समर्थकों और नए स्वेच्छिक कार्यकर्ताओं को संगठित किया गया। उन्होंने गांवों का एक विस्तृत अध्ययन और सर्वेक्षण किया जिसमें प्राणियों पर हुए अत्याचार के भयानक कांडों का लेखाजोखा रखा गया और इसमें लोगों की अनुत्पादकीय सामान्य अवस्था को भी शामिल किया गया था। ग्रामीणों में विश्वास पैदा करते हुए उन्होंने अपना कार्य गांवों की सफाई करने से आरंभ किया जिसके अंतर्गत स्कूल और अस्पताल बनाए गए और उपरोक्त वर्णित बहुत सी सामाजिक बुराईयों को समाप्त करने के लिए ग्रामीण नेतृत्व प्रेरित किया।

असहयोग आन्दोलन – गांधी जी ने असहयोग, अहिंसा तथा शांतिपूर्ण प्रतिकार को अंग्रेजों के खिलाफ़ शस्त्र के रूप में उपयोग किया। पंजाब में अंग्रेजी फोजों द्वारा भारतीयों पर जलियावांला नरसंहार जिसे अमृतसर नरसंहार के नाम से भी जाना जाता है ने देश को भारी आघात पहुंचाया जिससे जनता में क्रोध और हिंसा की ज्वाला भड़क उठी। गांधीजी ने ब्रिटिश राज तथा भारतीयों द्वारा प्रतिकारात्मक रवैया दोनों की की। उन्होंने ब्रिटिश नागरिकों तथा दंगों के शिकार लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की तथा पार्टी के आरंभिक विरोध के बाद दंगों की भर्त्सना की। गांधी जी के भावनात्मक भाषण के बाद अपने सिद्धांत की वकालत की कि सभी हिंसा और बुराई को न्यायोचित नहीं ठहराया जा सकता है। किंतु ऐसा इस नरसंहार और उसके बाद हुई हिंसा से गांधी जी ने अपना मन संपूर्ण सरकार आर भारतीय सरकार के कब्जे वाली संस्थाओं पर संपूर्ण नियंत्रण लाने पर केंद्रित था जो जल्दी ही स्वराज अथवा संपूर्ण व्यक्तिगत, आध्यात्मिक एवं राजनैतिक आजादी में बदलने वाला था।

स्वराज और नमक सत्याग्रह – गांधी जी सक्रिय राजनीति से दूर ही रहे और 1920 की अधिकांश अवधि तक वे स्वराज पार्टी और इंडियन नेशनल कांग्रेस के बीच खाई को भरने में लगे रहे और इसके अतिरिक्त वे अस्पृश्यता , शराब, अज्ञानता और गरीबी के खिलाफ आंदोलन छेड़ते भी रहे। उन्होंने पहले 1928 में लौटे एक साल पहले अंग्रेजी सरकार ने सर जॉन साइमन के नेतृत्व में एक नया संवेधानिक सुधार आयोग बनाया जिसमें एक भी सदस्य भारतीय नहीं था। इसका परिणाम भारतीय राजनैतिक दलों द्वारा बहिष्कार निकला। दिसंबर 1928 में गांधी जी ने कलकत्ता में आयोजित कांग्रेस के एक अधिवेशन में एक प्रस्ताव रखा जिसमें भारतीय साम्राज्य को सत्ता प्रदान करने के लिए कहा

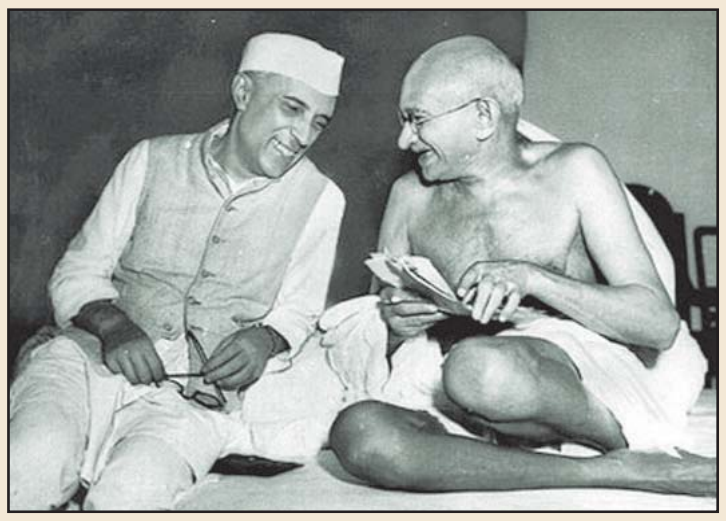

गया था अथवा ऐसा न करने के बदले अपने उद्देश्य के रूप में संपूर्ण देश की आजादी के लिए असहयोग आंदोलन का सामना करने के लिए तैयार रहें। गांधी जी ने न केवल युवा वर्ग सुभाष चंद्र बोस तथा जवाहरलाल नेहरू जैसे पुरूषों द्वारा तत्काल आजादी की मांग के विचारों को फलीभूत किया बल्कि अपनी स्वयं की मांग को दो साल की बजाए एक साल के लिए रोक दिया। अंग्रेजों ने कोई जवाब नहीं दिया। नहीं 31 दिसंबर 1929 , भारत का झंडा फहराया गया था लाहौर में है . 26 जनवरी 1930 का दिन लाहौर में भारतीय स्वतंत्रता दिवस के रूप में इंडियन नेशनल कांग्रेस ने मनाया। यह दिन लगभग प्रत्येक भारतीय संगठनों द्वारा भी मनाया गया। इसके बाद गांधी जी ने मार्च 1930 में नमक पर कर लगाए जाने के विरोध में नया सत्याग्रह चलाया जिसे 12 मार्च से 6 अप्रेल तक नमक आंदोलन के याद में 400 किलोमीटर (248 मील) तक का सफर अहमदाबाद से दांडी, गुजरात तक चलाया गया ताकि स्वयं नमक उत्पन्न किया जा सके। समुद्र की ओर इस यात्रा में हजारों की संख्या में भारतीयों ने भाग लिया। भारत में अंग्रेजों की पकड़ को विचलित करने वाला यह एक सर्वाधिक सफल आंदोलन था जिसमें अंग्रेजों ने 80,000 से अधिक लोगों को जेल भेजा।

द्वितीय विश्व युद्ध और भारत छोड़ो – द्वितीय विश्व युद्ध 1939 में जब छिड़ने नाजी जर्मनी आक्रमण पोलैंड. आरंभ में गांधी जी ने अंग्रेजों के प्रयासों को अहिंसात्मक नैतिक सहयोग देने का पक्ष लिया किंतु दूसरे कांग्रेस के नेताओं ने युद्ध में जनता के प्रतिनिधियों के परामर्श लिए बिना इसमें एकतरफा शामिल किए जाने का विरोध किया। कांग्रेस के सभी चयनित सदस्यों ने सामूहिक तौर पर अपने पद से इस्तीफा दे दिया। लंबी चर्चा के बाद, गांधी ने घोषणा की कि जब स्वयं भारत को आजादी से इंकार किया गया हो तब लोकतांत्रिक आजादी के लिए बाहर से लड़ने पर भारत किसी भी युद्ध के लिए पार्टी नहीं बनेगी। जैसे जैसे युद्ध बढता गया गांधी जी ने आजादी के लिए अपनी मांग को अंग्रेजों को भारत छोड़ो आन्दोलन नामक विधेयक देकर तीव्र कर दिया। यह गांधी तथा कांग्रेस पार्टी का सर्वाधिक स्पष्ट विद्रोह था जो भारतीय सीमा से अंग्रेजों को खदेड़ने पर लक्षित था। गांधी जी के दूसरे नंबर पर बैठे जवाहरलाल नेहरू की पार्टी के कुछ सदस्यों तथा कुछ अन्य राजनैतिक भारतीय दलों ने आलोचना की जो अंग्रेजों के पक्ष तथा विपक्ष दोनों में ही विश्वास रखते थे। कुछ का मानना था कि अपने जीवन काल में अथवा मौत के संघर्ष में अंग्रेजों का विरोध करना एक नश्वर कार्य है जबकि कुछ मानते थे कि गांधी जी पर्याप्त कोशिश नहीं कर रहे हैं। भारत छोड़ो इस संघर्ष का सर्वाधिक शक्तिशाली आंदोलन बन गया जिसमें व्यापक हिंसा और गिरफ्तारी हुई। पुलिस की गोलियों से हजारों की संख?या में स्वतंत्रता सेनानी या तो मारे गए या घायल हो गए और हजारों गिरफ्तार कर लिए गए। गांधी और उनके समर्थकों ने स्पष्ट कर दिया कि वह युद्ध के प्रयासों का समर्थन तब तक नहीं देंगे तब तक भारत को तत?काल आजादी न दे दी जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस बार भी यह आन्दोलन बन्द नहीं होगा यदि हिंसा के व्यक्तिगत कृत्यों को मूर्त रूप दिया जाता है। उन्होंने कहा कि उनके चारों ओर अराजकता का आदेश असली अराजकता से भी बुरा है। उन्होंने सभी कांग्रेसियों और भारतीयों को अहिंसा के साथ करो या मरो (अंग्रेजी में डू ऑर डाय) के द्वारा अन्तिम स्वतन्त्रता के लिए अनुशासन बनाए रखने को कहा।

स्वतंत्रता और भारत का विभाजन

गांधी जी ने 1946 में कांग्रेस को ब्रिटिश केबीनेट मिशन के प्रस्ताव को ठुकराने का परामर्श दिया क्योकि उसे मुस्लिम बाहुलता वाले प्रांतों के लिए प्रस्तावित समूहीकरण के प्रति उनका गहन संदेह होना था इसलिए गांधी जी ने प्रकरण को एक विभाजन के पूर्वाभ्यास के रूप में देखा। हालांकि कुछ समय से गांधी जी के साथ कांग्रेस द्वारा मतभेदों वाली घटना में से यह भी एक घटना बनी। चूंकि नेहरू और पटेल जानते थे कि यदि कांग्रेस इस योजना का अनुमोदन नहीं करती है तब सरकार का नियंत्रण मुस्लिम लीग के पास चला जाएगा। 1948 के बीच लगभग 5000 से भी अधिक लोगों को हिंसा के दौरान मौत के घाट उतार दिया गया। गांधी जी किसी भी ऐसी योजना के खिलाफ थे जो भारत को दो अलग अलग देशों में विभाजित कर दे।भारत में रहने वाले बहुत से हिंदुओं और सिक्खों एवं मुस्लिमों का भारी बहुमत देश के बंटवारे के पक्ष में था। इसके अतिरिक्त मुहम्मद अली जिन्ना, मुस्लिम लीग के नेता ने, पश्चिम पंजाब, सिंध, उत्तर पश्चिम सीमांत प्रांत और ईस्ट बंगाल में व्यापक सहयोग का परिचय दिया। व्यापक स्तर पर फैलने वाले हिंदु मुस्लिम लड़ाई को रोकने के लिए ही कांग्रेस नेताओं ने बंटवारे की इस योजना को अपनी मंजूरी दे दी थी। कांगेस नेता जानते थे कि गांधी जी बंटवारे का विरोध करेंगे और उसकी सहमति के बिना कांग्रेस के लिए आगे बझना बसंभव था चुकि पाटर्टी में गांधी जी का सहयोग और संपूर्ण भारत में उनकी स्थिति मजबूत थी। गांधी जी के करीबी सहयोगियों ने बंटवारे को एक सर्वोत्तम उपाय के रूप में स्वीकार किया और सरदार पटेल ने गांधी जी को समझाने का प्रयास किया कि नागरिक अशांति वाले युद्ध को रोकने का यही एक उपाय है। मज़बूर गांधी ने अपनी अनुमति दे दी।

हत्या

30 जनवरी 1948 गांधी की उस समय गोली मारकर हत्या कर दी गई जब वे नई दिल्ली के बिड़ला भवन के मैदान में रात चहलकदमी कर रहे थे। गांधी का हत्यारा नाथूराम गौड़से हिन्दू राष्ट्रवादी थे जिनके कट्टरपंथी हिंदु महासभा के साथ संबंध थे जिसने गांधी जी को पाकिस्तान को भुगतान करने के मुद्दे को लेकर भारत को कमजोर बनाने के लिए जिम्मेदार ठहराया था। गोड़से और उसके उनके सह षड्यंत्रकारी नारायण आप्टे को बाद में केस चलाकर सजा दी गई तथा 15 नवंबर1949 को इन्हें फांसी दे दी गई।

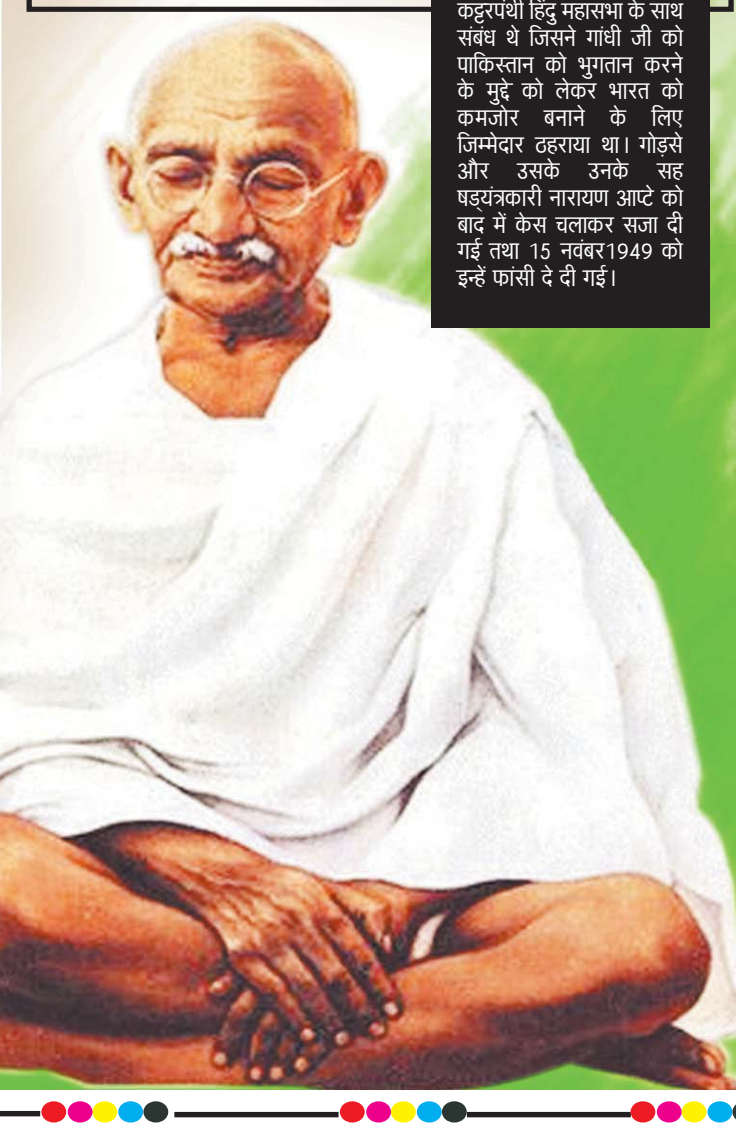

गांधी जयंती
आत्ममूल्यांकन का दिन

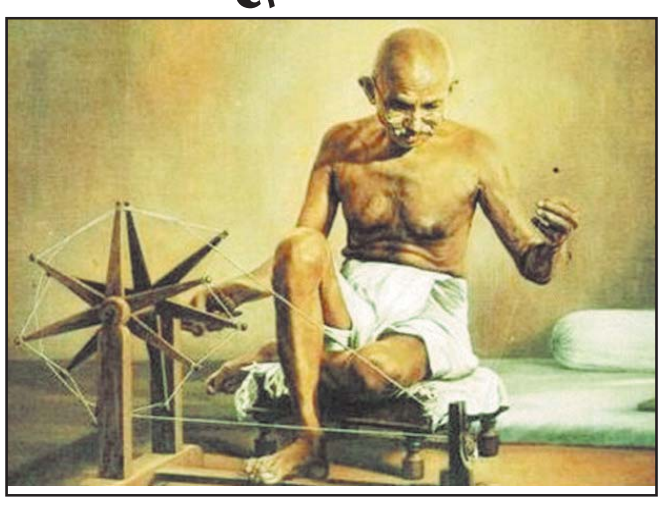

आज गांधी जयंती है। गांधी प्रतिमाओं और उनकी तस्वीरों को पिछली पुण्यतिथि के बाद धोने-पोंछने का यह पहला अवसर आया है। प्रत्येक वर्ष ऐसा ही होता है, जयंती और पुण्यतिथि के बीच की अवधि में गांधीजी के साथ कोई नहीं होता है। कड़वी बात तो यह है कि बचे-खुचे गांधीवादी भी नहीं। वे गांधीजी का साथ दे भी नहीं सकते हैं क्योंकि जरूरतों और परिस्थितियों ने उन्हें भी सिखा दिया है कि गांधी बनने से केवल प्रताड़ना मिल सकती है, संपदा, संपत्ति नहीं। वैचारिक धरातल में यह खोखलापन एक दिन या एक माह या एक वर्ष में नहीं आ गया। जान-बूझकर धीरे-धीरे और योजनाबद्ध ढंग से गांधी सिद्धांतों को मिटाया जा रहा है क्योंकि यह मौजूदा स्वार्थों में सबसे बड़े बाधक हैं। गांधी सिद्धांतों को मिटाने की इस गतिविधि को देखा नहीं गया, ऐसा नहीं है। सब चुप हैं क्योंकि अपना-अपना लाभ सभी को चुप रहने के लिए प्रेरित कर रहा है। आमतौर पर जन्मदिन या जयंती के दिन आस्था के फूल अर्पित करने की परंपरा है। इस दिन कड़वी बातों को कहने का रिवाज नहीं है। यदि इस रिवाज को तोड़ा जा रहा है, तो मजबूरी के दबाव को समझे जाने की आवश्यकता है। यह राष्ट्र नेताओं को महात्मा गांधी के सिद्धांतों पर कीचड़ उछालने की अनुमति कैसे दे रहा है, क्यों दे रहा है? यह कैसी सहिष्णुता है जो राष्ट्र की बुनियादी विचारधारा को मटियामेट करने पर आमादा है?

कहते हैं कि जो राष्ट्र अपने चरित्र की रक्षा करने में सक्षम नहीं है, उसकी रक्षा कोई नहीं कर सकता है। क्या परमाणु बम भारतीयता की रक्षा कर पाएगा? दरअसल, यह भुला दिया गया है कि पहले विश्वास बनता है, फिर श्रद्धा कायम होती है। किसी ने अपनी जय-जयकार करवाने के लिए क्रम उलट दिया और उल्टी परंपरा बन गई। अब विश्वास हो या नहीं हो, श्रद्धा का प्रदर्शन जोर-शोर से किया जाता है। गांधीजी भी श्रद्धा के इसी प्रदर्शन के शिकार हुए हैं। उनके सिद्धांतों में किसी को विश्वास रहा है या नहीं, इससे कुछ फर्क नहीं पड़ता। जयंती और पुण्यतिथि पर उनकी कसमें खाकर वाहवाही जरूर लूटी जा रही है। गांधीजी के विचार बेचने की एक वस्तु बनकर रह गए हैं। वे छपे शब्दों से अधिक कुछ नहीं हैं। इसलिए ही गांधीजी की जरूरत आज पहले से कहीं अधिक है। इस जरूरत को पूरा करने की सामर्थ्य वाला व्यक्तित्व दूर-दूर तक नजर नहीं आ रहा है। हर कोई चाहता है कि आदर्श और मूल्य इतिहास में बने रहें और इतिहास को वह पूजता भी रहेगा। परंतु अपने वर्तमान को वह इस इतिहास से बचाकर रखना चाहता है। अपने लालच की रक्षा में वह गांधी की रोज हत्या कर रहा है, पल-पल उन्हें मार रहा है और राष्ट्र भीड़ की तरह तमाशबीन बनकर चुपचाप उसे देख रहा है। शायद कल उनमें से किसी को यही करना पड़े! अपने हितों की विरोधी चीजों को इतिहास में बदल देने में भारतीयता आजादी के बाद माहिर हो चुकी है। वर्तमान और इतिहास की इस लड़ाई में वर्तमान ही जीतता आ रहा है क्योंकि इतिहास की तरफ से लड़ने वाले शेष नहीं हैं। आज गांधी जयंती है। गांधीजी की प्रतिमा के सामने आंख मूंदकर कुछ क्षण खड़े रहने वाले क्या यह पश्चाताप कर रहे होंगे कि वे गांधीजी के बताए रास्तों पर क्यों नहीं चल रहे हैं? नहीं, वे यह कतई नहीं सोच रहे होंगे। तब वे मन ही मन क्या कह रहे होंगे? सोचिए और उस पर मनन कीजिए। गांधी जयंती पर यही बड़ा काम होगा।

गांधीजी ने बजाया था सत्याग्रह का बिगुल

दक्षिण अफ्रीका से लौटने के बाद भारतवासियों को उनके अधिकार दिलाने के लिए गांधी जी नेशनल इण्डियन कांग्रेस की स्थापना की। पहली बार सत्याग्रह के शस्त्र का प्रयोग किया और विजय भी पाई। इस प्रकार सन? 1914-15 में गांधी जब दक्षिण अफ्रीका से वापिस भारत लौटे, तब तक इन विचारों और जीवन-व्यवहारों में आमूल-चूल परिवर्तन आ चुका था।

भारत लौटकर कुछ दिन गांधी जी देश का भ्रमण कर वास्तविक स्थिति का जायजा लेते रहे। फिर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस जैसी संस्था को पूर्ण स्वतंत्रता का लक्ष्य देकर संघर्ष में कूद पड़े। क्योंकि प्रथम विश्वयुद्ध में वचन देकर भी अंग्रेज सरकार ने भारतीयों के प्रति अपने रवैये में कोई परिवर्तन नहीं किया था, इससे गांधी जी और भी चिढ़ गए और अंग्रेजी कानूनों का बहिष्कार और सत्याग्रह का बिगुल बजा दिया। भारतवासियों के मानवाधिकारों का हनन करने वाले रोलट एक्ट का स्थान-स्थान पर विरोध-बहिष्कार होने लगा। सन 1919 में जलियां-वाला बाग में हो रही विरोध-सभा पर हुए अत्याचार ने गांधी जी की अंतरात्मा को हिलाकर रख दिया। सो अब ये समूचे स्वतंत्रता आंदोलन की बागडोर सम्हाल खुलम-खुल्ला संघर्ष में कूद पड़े। इनका संकेत पाते ही सारे देश में विरोधी आंदोलनों की एक आंधी सी छा गई। अंग्रेज सरकार की लाठी-गोलियां भी अंधाधुंध बरसने लगीं। जेलें सत्याग्रहियों से भर उठीं। गांधीजी को भी जेल में डाल दिया गया। बिहार की नील सत्याग्रह, डाण्डी यात्रा या नमक सत्याग्रह, खेड़ा का किसान सत्याग्रह आदि गांधी जी के जीवन के प्रमुख सत्याग्रह हैं। इन्हें कई बार महीने-महीने भर का उपवास भी करना पड़ा। अपने विचारों के प्रचार-प्रसार के लिए इन्होंने नवजीवन और यंग इण्डिया जैसे पत्र भी प्रकाशित किए। विदेशी-बहिष्कार और विदेशी माल का दाह, मद्य निषेध के लिए धरने का आयोजन, अछूतोद्धार, स्वदेशी प्रचार के लिए चर्खे और खादी को महत्व देना, सर्वधर्म-समन्वय और विशेषकर हिन्दू-मुस्लिम एकता के लिए प्रचार इनके द्वारा आरंभ किए गए अन्य प्रमुख सामाजिक सुधारात्मक कार्य माने गए हैं। इस प्रकार के स्वतंत्रता दिलाने वाले प्रयासों के लिए अक्सर बीच-बीच में इन्हें जेलयात्रा भी करनी पड़तीं। सन 1931 में इग्लैंड में संपन्न गोलमेज कान्फ्रेस में भाग लेने के लिए गांधी जी वहां गए, पर जब इनकी इच्छा के विरुद्ध हरिजनों को निर्वाचन का विशेषाधिकार हिन्दुओं से अलग करके दे दिया, तो भारत लौटकर गांधी जी ने पुनः आंदोलन आरंभ कर दिया। बंदी बनाए जाने पर जब ये अनशन करने लगे, तो सारा देश क्षुब्ध हो उठा। फलतः ब्रिटिश सरकार को गांधी जी के मतानुसार हरिजनों का पृथक निर्वाचनाधिकार का हठ छोड़ना पड़ा।

वाणी कपूर ने दिखाया अब तक का सबसे बोल्ड लुक, तोड़ी सारी हदें

वाणी कपूर ने अपने अब तक के करियर में कई फिल्मों में बेहतरीन किरदारों को बखूबी पर्दे पर उतार चुकी हैं. हालांकि, अपनी फिल्मों के अलावा वाणी अपनी हॉटनेस और स्टाइलिश फोटोशूट की वजह से भी काफी चर्चा में बनी रहती हैं. अक्सर उनके इंस्टाग्राम पेज उनके ग्लैमरस लुक्स देखने को मिल जाते हैं. अब फिर से एक्ट्रेस ने फिर से फैंस के दिलों की धड़कनें बढ़ा दी हैं.लेटेस्ट फोटोशूट में वाणी अपना बिकिनी लुक फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं. उन्होंने इस दौरान ग्रीन शेड की बिकिनी के साथ डेनिम जीन्स कैरी की है.एक्ट्रेस ने अपने इस लुक को और हॉट बनाने के लिए जीन्स के बटन खोल कैमरे के सामने किलर पोज दिए हैं. वाणी ने बहुत बेबाकी से अपना ये बोल्ड लुक फ्लॉन्ट किया है.वाणी ने इस लुक को सटल बेस, रोजी शाइनी चीक्स, न्यूड ग्लॉसी लिप्स और न्यूड आई मेकअप से कंप्लीट किया है. इसके साथ उन्होंने अपने बालों को मैसी टच देकर ओपन रखा है. एक्सेसरीज के तौर पर वाणी ने एक हाथ में गोल्ड बैंगल्स पहने हैं. वाणी इस लुक में बेहद हॉट दिख रही हैं. खासतौर पर एक्ट्रेस के कर्वी फिगर ने सबके होश उड़ा दिए हैं.दूसरी ओर वाणी की आने वाली फिल्मों पर बात करें तो इस समय एक्ट्रेस मंडाला मर्डर्स टाइटल से बन रही वेब सीरीज को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं. बता दें कि पिछली बार वाणी को रणबीर कपूर के साथ फिल्म शमशेरा में देखा गया था.

'तारक मेहता' शो में दिखाई नहीं देंगे जेठालाल

टीवी शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' बीते 15 सालों से दर्शकों का मनोरंजन करता आ रहा है। इतने सालों में कई कलाकार शो से बाहर जा चुके हैं और उनकी जगह नए कलाकारों की एंट्री भी हुई। लेकिन शो में जेठालाल का किरदार निभाने वाले दिलीप जोशी शुरुआत से ही इस शो से जुड़े हुए हैं।

अब खबर आ रही है कि दिलीप जोशी 'तारक मेहता' में कुछ समय के लिए नजर नहीं आने वाले हैं। वह कुछ वक्त के लिए शो से ब्रेक ले रहे हैं। इस खबर के सामने आने के बाद से ही हर कोई हैरान रह गया है। कुछ समय के लिए अब सभी का फेवरेट किरदार जेठालाल शो में नहीं दिखाई देगा।

खबरों के अनुसार दिलीप जोशी काम से ब्रेक लेकर अपने परिवार के साथ एक धार्मिक यात्रा पर तंजानिया गए हैं। यहां वे स्वामीनारायण मंदिर में होने वाले फंक्शन में हिस्सा लेंगे। इसके बाद दिलीप जोशी अबू धाबी भी जाएंगे।

हाल ही के एपिसोड में जेठालाल सोसाइटी में गणपति बप्पा की स्थापना करने के बाद सबको बताते हैं कि वह काम से इंदौर जा रहे हैं और गोकुलधाम में होने वाले गणपति सेलिब्रेशन को मिस करेंगे।

'सेल्फी' से शुरू हुआ अक्षय कुमार का साल 2023 का सफर 'मिशन रानीगंज' पर होगा समाप्त

अक्षय कुमार बॉलीवुड इंडस्ट्री के सबसे बिजी एक्टर में से एक हैं। हर साल अक्षय की 4 से 5 फिल्में रिलीज होती हैं। ओएमजी 2 के बाद वह जल्द ही फिल्म 'मिशन रानीगंज: द ग्रेट भारत रेस्क्यू' में नजर आने वाले हैं। यह फिल्म राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक टीनू देसाई के साथ उनके रीयूनियन का भी प्रतीक है।

फिल्म 'मिशन रानीगंज' शुक्रवार, 6 अक्टूबर, 2023 को रिलीज होने जा रही हैं। साल 2023 में अक्षय की यह आखिरी रिलीज होगी, क्योंकि उन्होंने साल की शुरुआत सेल्फी से की थी और फिर हाल ही में उनकी ब्लॉकबस्टर फिल्म ओएमजी 2 रिलीज हुई है।

बता दें, ओएमजी 2 की रिलीज के बाद, दर्शकों ने फिल्म में भगवान शिव के गण के रूप में अक्षय के प्रदर्शन की सराहना करना शुरू कर दिया था और उनके स्क्रिप्ट सिलेक्शन च्वाइस की भी तारीफ की क्योंकि उन्होंने एक कंटेंट डॉमिनेटिंग फिल्म के साथ समाज को फिर से आइना दिखाया और बॉक्स ऑफिस पर 150 करोड़ से अधिक की कमाई की।

अब अभिनेता साल की अपनी आखिरी फिल्म के साथ एक और प्रभावशाली सिनेमा पेश करने के लिए तैयार है, जो एक गुमनाम हीरो स्वर्गीय जसवंत सिंह गिल की कहानी है। यह जसवंत सिंह गिल की लार्जर देन लाइफ कहानी और उनकी बहादुरी को बड़े पर्दे पर पेश करता है, और हाल ही में सामने आए फिल्म के ट्रेलर के अनुसार ये रेस्क्यू थ्रिलर देश भर के दर्शकों के लिए एक रोमांचक अनुभव का वादा करता है।

फिल्म अपनी रिलीज के करीब होने है इसलिए सुर्खियों में भी है और ट्रेलर के अलावा गाने और टीजर ने भी लोगों को इम्प्रेस किया है। वहीं सिंह इज़ किंग, सिंह इज़ ब्लिंग, केसरी और अब मिशन रानीगंज में चौथी बार अपने पसंदीदा अभिनेता को टर्बन लुक में देखकर दर्शक काफी एक्साइटेड हैं।

वास्तविक जीवन की कहानी पर आधारित ड्रामा की शैली पर अक्षय कुमार की पकड़ बेजोड़ है और उन्होंने एयरलिफ्ट, मिशन मंगल, गोल्ड और केसरी जैसी अपनी पिछली फिल्मों से इसे सफलतापूर्वक साबित किया है। सरदार जसवंत सिंह गिल की बात करें, तो उन्होंने सबसे बड़े कोयला खदान मिशन को सफलतापूर्वक पूरा किया ता और 65 कोयला खनिकों को बचाने के लिए एक कैप्सूल बनाया।

वाशु भगनानी, जैकी भगनानी, दीपशिखा देशमुख और अजय कपूर द्वारा निर्मित, 'मिशन रानीगंज' टीनू सुरेश देसाई द्वारा निर्देशित हैं। फिल्म का म्यूजिक जेजस्ट का है। एक ऐसा कोल माइन एक्सीडेंट जिसने देश और दुनिया को झकझोर कर रख दिया और जसवंत सिंह गिल के नेतृत्व में रेस्क्यू टीम के अथक प्रयासों को दर्शाती यह फिल्म 6 अक्टूबर 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

बंगाली बनना मेरे लिए बहुत रोमांचक था: अंजुम शर्मा

बालीवुड फिल्म सुल्तान ऑफ दिल्ली में अभिनेता अंजुम शर्मा अपनी भूमिका के बारे में बात करते हुए कहा, किरदार के व्यक्तित्व के कारण बंगाली बनना मेरे लिए बहुत रोमांचक था। सब कुछ विचित्र, चुलबुला और मजेदार था। इसके अलावा जो चीज मुझे सबसे ज्यादा पसंद आई वह थी उनकी वेशभूषा और लुक जो मेरे किरदार के लिए अद्वितीय और विशिष्ट हैं। उन्होंने कहा, बंगाली बनने और उनके तौर-तरीकों को समझने के लिए मैं हर रोज दर्पण के सामने अपनी पंक्तियों का अभ्यास करता था ताकि मैं इसे पूर्णता तक पहुंचा सकूं और चरित्र में पूरी तरह से उतर सकूं। इसके अतिरिक्त वह अपने बंगाली किरदार में हमेशा एक स्कार्फ पहने हुए दिखाई देते हैं। उन्होंने कहा कि यह मेरे पूरे लुक का केंद्रबिंदु बन गया और इसे श्रृंखला में शामिल किया गया। मैं इसे अपना भाग्यशाली स्कार्फ मानता हूं।

अर्नब रे की पुस्तक सुल्तान ऑफ दिल्ली - एसेंशन पर आधारित, सीरीज रिलायंस एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित और मिलन लुथरिया द्वारा निर्देशित है। यह सुपर्ण वर्मा द्वारा सह-निर्देशित और सह-लिखित है। सीरीज में ताहिर राज भसीन, अंजुम, विनय पाठक, निशांत दहिया और महिला अनुप्रिया गोयनका, मौनी रॉय, हरलीन सेठी और मेहरीन पीरजादा शामिल हैं, जो एक आदर्श कलाकारों की टोली बनाते हैं। सुल्तान ऑफ दिल्ली 13 अक्टूबर को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है। बता दें कि अंजुम सुल्तान ऑफ दिल्ली में एक उत्साही और चुलबुले बंगाली का किरदार निभाते हुए नजर आएंगे। वह इसमें दर्शकों को 1960 के दशक की याद दिलाएंगे। अपने लुक को पूरा करने के लिए प्रिंटेड शर्ट, लेदर जैकेट, बेल बॉटम्स और एक परफेक्ट स्कार्फ के साथ दिखाई देंगे।

ब्रेकअप ट्रैक के जरिए संगीत की दुनिया में कदम रख रहीं पलक पुरसवानी

रियलिटी स्टीमिंग शो बिग बॉस ओटीटी 2 में नजर आने वाली टीवी अभिनेत्री और मॉडल पलक पुरसवानी संगीत की दुनिया में कदम रख रही हैं। उनका म्यूजिक वीडियो जल्द ही रिलीज होने वाला हैं। पलक ने कहा कि उनका नया सॉन्ग एक ब्रेकअप ट्रैक है, जो सभी को पसंद आएगा। एक्ट्रेस ने अपने सॉन्ग को लेकर कहा, मैं म्यूजिक वीडियो को लेकर बहुत एक्साइटिड हूं, क्योंकि बहुत से लोग जो रिश्तों में ब्रेकअप से गुजरते हैं, वे इससे जुड़ाव महसूस करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि उनका खुद भी इस ट्रैक से पर्सनल अटैचमेंटहै और वे इससे जुड़ सकती हैं। इस पर विस्तार से बताते हुए उन्होंने कहा, मैं भी इससे जुड़ी हूं। साथ ही, यह मेरा अब तक का पहला म्यूजिक वीडियो है। मैं अपने सभी एक्टर फ्रेंड्स से उम्मीद करूंगी कि वे इसको प्रमोट करें ताकि म्यूजिक वीडियो वायरल हो जाए!म्यूजिक वीडियो के बारे में खुलासा करते हुए पलक ने कहा, मेरे आने वाले म्यूजिक वीडियो के सिंगर मोहम्मद दानिश हैं जो इंडियन आइडल का हिस्सा थे। म्यूजिक वीडियो में मेरे अपोजिट अध्विक महाजन हैं। उन्होंने इसका हिस्सा बनना क्यों चुना, इस बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा, इसे मुंबई के मढ़ में ही शूट किया गया था। मैंने इस गाने के लिए हां इसलिए कहा क्योंकि गाना वाकई बहुत अच्छा था। मैं इस गाने से एक खास तरह से जुड़ सकती हूं। यह 1 अक्टूबर को रिलीज हो रही है। यह देखते हुए कि गाना बिल्कुल तैयार है, पलक पुरसवानी ने अपने म्यूजिक डेब्यू के लिए एक ऐसा विषय चुना है, जो यूनिवर्सल है और फिर भी इसे संभालना बहुत मुश्किल है।

कंगना रनौट की 'तेजस' का टीजर इस खास मौके पर होगा रिलीज

बौलीवुड की बेबाक एक्ट्रेस कंगना रनौट के पास कई प्रोजेक्ट की लाइन लगी हुई है। हाल ही में उनकी साउथ फिलम 'चंद्रमुखी 2' रिलीज हुई है। अब कंगना की एक और फिल्म 'तेजस' भी रिलीज होने के लिए तैयार है। 'तेजस' साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्म है। फिल्म 'तेजस' में कंगना रनौट एयरफोर्स पायलट का किरदार निभाती नजर आएंगी। वहीं अब तेजस के टीजर की रिलीज डेट सभी सामने आ गई है। बताया जारहा है कि मेकर्स नेशनल हॉलिडे पर 'तेजस' का टीजर रिलीज करेंगे। 'तेजस' 20 अक्टूबर को बड़े पर्दे पर रिलीज होने वाली है और कथित तौर पर निर्माता 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के अवसर पर इसका पहला टीज़र जारी करेंगे। प्रोडक्शन से जुड़े एक करीबी सूत्र के मुताबिक, तेजस का पहला एसेट टीज़र 2 अक्टूबर को रिलीज़ होगा। सर्वेश मेवाड़ा द्वारा लिखित और निर्देशित, 'तेजस' में कंगना रनौट मुख्य भूमिका में हैं। यह पहली हवाई एक्शन फिल्म है, जो वायु सेना अधिकारी तेजस गिल की कहानी बताएगी और कैसे हमारे वायु सेना के पायलट रास्ते में कई चुनौतियों का सामना करते हुए हमारे देश की रक्षा के लिए अथक प्रयास करते हैं।

पेचकस से गोदकर युवक को उतारा मौत के घाट, पुलिस ने दो नाबालिग आरोपियों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के वेलकम इलाके में दो नाबालिग लड़कों ने एक 18 वर्षीय किशोर को पेचकस से गोदकर मौत के घाट उतार दिया। मृतक की पहचान काशिफ उर्फ रंगीला उम्र 18 वर्ष पुत्र मुख्तियार निवासी गली नंबर 18, ईदगाह रोड, जनता मजदूर कॉलोनी, वेलकम के रूप में हुई है जानकारी के मुताबिक, आरोपियों की उम्र 15 साल बताई जा रही है। मामूली विवाद में उन्होंने काशिफ की हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि काशिफ ने पहले पेचकस से उन्हें धमकाया। आरोपियों में से एक काशिफ के हाथ से पेचकस छिनने में कामयाब रहा और उसपर कई वार किए। जिससे उसकी मौत हो गई।

पेलीविजुमैप दवा को भारत में बिक्री , प्रयोग की स्वीकृति

नई दिल्ली। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने पांच वर्ष आयु तक के बच्चों की श्वसन तंत्र संबंधित बीमारियों के उपचार में काम आने वाली अस्त्रा जेनेका निर्मित दवा 'पेलीविजुमैप' को भारत में आयात, बिक्री और प्रयोग की स्वीकृति दे दी है। अस्त्रा जेनेका फार्मा इंडिया लिमिटेड ने यहां बताया कि भारत में दवा का इंजेक्शन 100 एमएल, 50 एम एल और 0.5 एम एल की एकल खुराक में उपलब्ध होगा। आंकड़ों के अनुसार श्वसन तंत्र संबंधी बीमारियां दुनिया भर में बच्चों के स्वास्थ्य के लिए कड़ी चुनौती हैं। एक वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु में श्वसन तंत्र संबंधी दूसरा प्रमुख कारण है। भारत में अस्पताल में भर्ती होने वाले बच्चों में श्वसन तंत्र संबंधी बीमारियों का हिस्सा 90 प्रतिशत है।

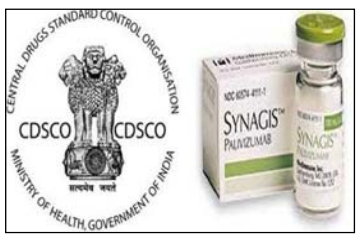

मोदी ने 'परिवारतंत्र के रिवाज को प्रजातंत्र के मिज़ाज' में बदला : नकवी

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'परिवारतंत्र के

रिवाज को प्रजातंत्र के मिज़ाज' में बदल कर 'ग्राउंड जीरो के ग्लोबल हीरो' बन गए हैं। उन्होंने यहां एक कार्यक्रम में यह भी कहा कि प्रधानमंत्री के निर्णायक नेतृत्व ने साबित किया है कि बड़े सुधारों के लिए जोखिम लेने में प्रतिबद्धता, संकल्प और साहस की जरूरत होती है।

नकवी का कहना था, ''कोई भी बेहतरीन ब्रांड अचानक से नहीं, बल्कि लोगों की पसंद से बनता है। ब्रांड के प्रति आकर्षण को आस्था में बदलने के लिए उत्पाद की प्रामाणिकता, विश्वसनीयता बहुत महत्वपूर्ण है।'' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी 'परिवारतंत्र के रिवाज को प्रजातंत्र के मिज़ाज' में बदल कर 'ग्राउंड जीरो के ग्लोबल हीरो' बन गए हैं।

'आज समाज' के राकेश शर्मा बने आईएनएस के अध्यक्ष

नई दिल्ली। दैनिक समाचार पत्र समूह 'आज समाज' के राकेश शर्मा को भारत में समाचार पत्र-पत्रिकाओं के शीर्ष संगठन दि इंडियन न्यूजपेपर सोसाइटी (आईएनएस) का अध्यक्ष चुना गया है। यह जानकारी आईएनएस की 84वीं वार्षिक महासभा की बैठक के बाद शनिवार को यहां जारी एक विज्ञप्ति में दी गयी है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि आईएनएस की वीडियो कांफ्रेसिंग और अन्य ऑडियो विजुअल माध्यमों से हुयी बैठक में वर्ष 2023-24 के लिए संगठन की नई कार्यसमिति का चुनाव किया गया। इस चुनाव में मातृभूमि के श्री एमवी श्रेयांस कुमार को सहायक अध्यक्ष और सन्मार्ग के विवेक गुप्ता को उपाध्यक्ष चुना गया है।अमर उजाला के तन्मय माहेश्वरी आईएनएस के अवैतनिक कोषाध्यक्ष चुने गए हैं। सुश्री मेरी पॉल सोसाइटी की महासचिव हैं।

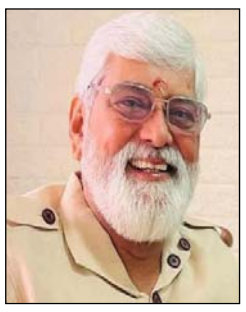

आईएनएस की वार्षिक बैठक में नयी कार्यकारिणी के 41 सदस्यों का भी चयन किया गया है। पत्रकारों से वार्ता करते हुए राकेश शर्मा ने बताया कि कोरोना महामारी से जूझने के बाद इंडस्ट्री तेजी से वापसी कर रही है। इंडस्ट्री को आगे बढ़ाने की दिशा में अभी बहुत काम किया जाना बाकी है। मैं इसे आगे बढ़ाने की दिशा में प्रभावी कदम उठाना सुनिश्चित करूंगा।

एसओएल में यूजी दाखिले का बना रिकॉर्ड, 20 अक्तूबर तक बढ़ी दाखिला की तारीख, पहले थी 30 सितंबर

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग (एसओएल) में इस बार स्नातक कोर्सेज में दाखिले का रिकॉर्ड बन गया है। इस बार स्नातक स्तर पर ही शनिवार तक 1 लाख 32 हजार 449 दाखिले हो गए हैं। जबकि शनिवार को ही दाखिले की तिथि को बढ़ाकर 20 अक्तूबर तक कर दिया गया है। ऐसे में दाखिले का आंकड़ा 1.75 लाख तक पहुंच सकता है। एसओएल में औसतन हर साल 1.20 लाख से 1.25 लाख तक दाखिले होते रहे हैं। बीते साल यूजी-पीजी मिलाकर 1.18 लाख दाखिले हुए थे। एसओल में दाखिला प्रक्रिया 14 जून से शुरु हुई थी। करीब साढ़े तीन महीने की दाखिला प्रक्रिया के दौरान छात्रों से अच्छा रिस्पांस मिला है। कैंपस ऑफ ओपन लर्निंग की निदेशक प्रो पायल मागो ने बताया कि 30 सितंबर तक हमारे स्नातक कोर्सेज में ही 1 लाख 78, 342 पंजीकरण हो चुके हैं। इनमें से एक लाख 32 हजार 449 छात्रों ने फीस का भुगतान कर दाखिला पक्का कर लिया।

इतने ज्यादा दाखिले होना एक रिकॉर्ड है। जबकि दूरस्थ शिक्षा बोर्ड(डीईबी) ने दाखिले की अंतिम तिथि को 20 अक्तूबर तक बढ़ा दिया है। प्रो. पायल कहती हैं कि हमारे यहां हर साल करीब एक लाख 20 हजार से एक लाख 25 हजार दाखिले होते हैं। बीते साल यूजी व पीजी मिलाकर एक लाख 18 हजार दाखिले हुए थे। कोरोना महामारी के बाद से वैसे भी दाखिले कम हो रहे थे।

लेकिन एसओएल में नए कोर्सेज शुरु करने का लाभ मिला है। बीबीए, बीएमएस, कंप्यूटर साइंस व साइकोलॉजी कोर्सेज के कारण इस बार दाखिलों की संख्या में इजाफा हुआ है। बीते कुछ सालों में छात्रों की रूचि यहां दाखिला लेने को लेकर बढ़ी है। प्रो. मागो ने कहा कि दाखिला लेने की अंतिम तिथि 30 सितंबर थी, लेकिन अब तिथि बढ़ने से उम्मीद है कि यह संख्या 1.75 लाख तक पहुंच जाएगी। वह भी एक रिकॉर्ड होगा। पहले दाखिला लेने की अंतिम तिथि 31 अगस्त थी, जिसे बढ़ाकर 30 सितंबर किया गया था।

सबसे ज्यादा बीए प्रोग्राम में दाखिले

एसओएल के स्नातक स्तर के 11 कोर्सेज में बीए प्रोग्राम में ही सर्वाधिक दाखिले हो रहे हैं। अब तक 86718 ने पंजीकरण कराया है। इनमें से 69423 ने फीस जमा करा कर दाखिला पक्का कर लिया है। इस प्रोग्राम की योग्यता सिर्फ बारहवीं में पास होना है, इसलिए भी इसमें दाखिले ज्यादा हुए हैं। वहीं बीकॉम में 26264 ने पंजीकरण कराया है, जिसमें से 20581 ने दाखिला लिया है। तीसरे नंबर पर बीए ऑनर्स राजनीति विज्ञान है। इसमें 24845 ने पंजीकरण किया और 18324 ने फीस जमा कराकर दाखिला ले लिया। सबसे कम दाखिले बीए ऑनर्स इकोनॉमिक्स में हुए हैं। इसमें 868 ने पंजीकरण कर 453 ने दाखिला ले लिया। एमबीए में 5304 आवेदन आए, जिसमें 2678 दाखिले हो गए। बैचलर ऑफ लाइब्रेरी साइंस में 2590 में से 860, मास्टर इन लाइब्रेरी साइंस में 2434 में से 186 दाखिले हुए हैं।

डीयू पीजी में अपग्रेड करने की सुविधा आज से मिलेगी

दिल्ली विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर (पीजी) प्रोग्राम के दूसरे स्पॉट राउंड के लिए खाली सीटों की जानकारी जारी कर दी गई है। दूसरे स्पॉट राउंड में भी विभिन्न कॉलेजों व विभागों में सभी श्रेणियों में कुछ सीटें खाली हैं। अब रविवार से छात्रों को अपग्रेड करने की सुविधा मिलनी शुरु होगी। तीन अक्तूबर से इन सीटों के लिए सीट का आवंटन किया जाएगा।

विभिन्न कॉलेजों व विभागों में कुछ एक कोर्सेज में तो सामान्य श्रेणी के लिए एक से छह तक ही सीट खाली हैं। सामान्य श्रेणी के लिए एनसीवेब में ही सबसे ज्यादा सीटें खाली हैं। एनसीवेब (नॉन कॉलिजियेट वूमेंस एजुकेशन बोर्ड) के मास्टर ऑफ आर्ट्स (ईस्ट एशियन स्टडी) में 10, मास्टर ऑफ आर्ट्स बंगाली में 28, मास्टर ऑफ आर्ट्स पंजाबी में 21, फिलॉस्फी में 16, संस्कृत में 26, उर्दू में 27, अरबी में 29, हिंदी में चार सीटें खाली हैं। इसी तरह से दिल्ली स्कूल ऑफ जर्नलिज्म के मास्टर ऑफ आर्ट्स जर्नलिज्म में 10, एलएलबी में 10 सीटें खाली हैं। इस राउंड में वह ही छात्र हिस्सा ले सकते हैं, जिन्होंने कॉमन सीट एलोकेशन सिस्टम (सीएसएएस) के तहत आवेदन किया था और अब तक किसी प्रोग्राम में उनका दाखिला नहीं हुआ।

छात्रों को तीन अक्तूबर से पांच अक्तूबर रात 11:59 मिनट तक सीट को स्वीकार करने का अवसर मिलेगा। कॉलेज व विभाग तीन से छह अक्तूबर शाम 4:59 मिनट तक आवेदन का सत्यापन व उसे स्वीकार करेंगे।

ज्वेलर के कर्मचारियों से बाइक सवार बदमाशों ने लूटे 17 लाख रुपये, जांच में जुटी पुलिस

नई दिल्ली। पंजाबी बाग में एक ज्वेलर के कर्मचारियों से बाइक सवार बदमाशों ने 17 लाख रुपये लूट लिए। दोनों कर्मचारी लारेंस रोड से पैसे कलेक्शन करने के बाद करोलबाग आ रहे थे। ज्वेलर की शिकायत पर पुलिस ने लूटपाट का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की जांच कर आरोपियों की पहचान करने में जुटी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दोपहर 2:25 बजे रोहतक रोड के रेलवे ब्रिज अंडरपास के पास लाखों रुपये लूटने की जानकारी मिली। मौके पर पहुंची पुलिस को ज्वेलर के दो कर्मचारी दीपक और बृजेश मिले। इसी दौरान उनके मालिक ऋषभ गुप्ता भी पहुंच गए। मालिक ने बताया कि उनका करोलबाग में ज्वेलरी का कारोबार है। शनिवार को उसने अपने दो कर्मचारियों को लारेंस रोड इलाके में रहने वाले अपने एक परिचित से 17 लाख रुपये लेकर आने के लिए कहा था। उसके परिचित से उनसे स्कूटी में पैर के पास रखा था। बदमाशों ने उन्हें गोली मारने की धमकी दी और बैग लूटकर फरार हो

गहने खरीदे थे। वहां से रुपये लेने के बाद दोनों स्कूटी से वापस आ रहे थे।

रोहतक रोड के रेलवे ब्रिज अंडरपास के पास के पास बाइक सवार तीन बदमाशों ने उन्हें रोक लिया। पीड़ितों ने बताया कि बैग गए। पुलिस ने मालिक के बयान पर लूटपाट का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने मौका मुआयना किया और आस पास के सीसीटीवी कैमरे की फुटेज को कब्जे में कर मामले की जांच कर रही है।

दिल्ली वालों को जल्द मिलेगी कूड़े के पहाड़ों से मुक्ति: केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि निगम में आम आदमी पार्टी(आप) की सरकार आने के बाद से लैंडफिल साइट से कूड़ा खत्म करने के काम में काफी तेजी आई है और तय लक्ष्य से अधिक गति से कूड़ा हटाया जा रहा है। श्री केजरीवाल ने भलस्वा लैंडफिल साइट का दौरा करके कहा,' पिछले साल मध्य नवंबर से भलस्वा लैंडफिल साइट से कूड़ा साफ करने का काम शुरू हुआ था। लक्ष्य रखा गया था कि अगले 18 महीने के अंदर भलस्वा लैंडफिल साइट से लगभग 30 लाख टन कूड़ा कम किया जाएगा। तीस सितंबर तक लगभग 14 लाख टन कूड़ा कम करने का लक्ष्य रखा गया था। यह बताते हुए बेहद खुशी हो रही है कि लक्ष्य से कहीं अधिक गति से कूड़ा साफ करने का काम चल रहा है। सितंबर तक भलस्वा लैंडफिल साइट से तय लक्ष्य 14 लाख टन के बजाय 18 लाख टन कूड़ा कम किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि मौजूदा

एजेंसी जब अगले साल 15 मई तक 45 लाख टन कूड़ा साफ कर लेगी तब यहां पर 35 एकड़ जमीन खाली हो जाएगी। जब सारा कूड़ा साफ हो जाएगा, तो यहां पर काफी जमीन खाली हो जाएगी। भलस्वा लैंडफिल साइट के बगल से गुजर रही सड़क से पंजाब और हरियाणा से लोग दिल्ली आते हैं। दिल्ली में प्रवेश करते ही उनको कूड़े का पहाड़ दिखाई देता था। ये कूड़े का पहाड साफ हो जाएगा तो इस जमीन का कई तरह से इस्तेमाल किया जा सकता है। दिल्ली की मेयर डॉ. शैली ओबरॉय ने कहा कि दिल्ली को कूड़े के पहाड़ों से जल्द मुक्ति मिलेगी। इसके लिए अतिरिक्त एजेंसी नियुक्त करने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। दिल्ली को समय से पहले कूड़े के पहाड़ों से मुक्ति मिल जाएगी।

वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की सफाई का कीर्तिमान कायम करेगी भारतीय रेलवे

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे स्वच्छता के लिए श्रमदान अभियान के तहत रविवार को एक कीर्तिमान रचने जा रही है। देश के 29 स्टेशनों पर वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की 14 मिनट के रिकॉर्ड समय में पूरी साफ सफाई करने का रिकॉर्ड कायम किया जाएगा।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यहां पत्रकारों से बातचीत में कहा कि रविवार से यह एक नियमित प्रक्रिया के रूप में स्थापित हो जाएगा। उन्होंने कहा कि सुबह चल कर वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन दोपहर में जिस स्टेशन पहुंचती है, वहां से इसे कम समय में ही लौटना होता है। ऐसे में सफाई कर्मचारियों को विशेष रूप प्रशिक्षित किया गया है कि वे 14 मिनट के रिकॉर्ड समय में सफाई पूरा करके गाड़ी को वापसी की यात्रा के लिए तैयार कर दें।

रेल मंत्री कल अजमेर से दिल्ली छावनी आने वाली वंदे भारत में इस अभियान की शुरूआत करेंगे। श्री वैष्णव गुरुग्राम स्टेशन से ट्रेन में सवार होंगे और दिल्ली छावनी स्टेशन तक आएंगे और वहां 14 मिनट में साफ सफाई वाले अभियान का निरीक्षण करेंगे। उन्होंने कहा कि यह केवल एक दिन की कवायद नहीं होगी। हर दिन इसी तरह से सफाई की जाएगी। उन्होंने पत्रकारों के सवालों के जवाब में कहा कि चाहे आठ कोच वाली वंदे भारत हो या 16 कोच

वाली, सफाई में इतना ही समय लगेगा क्योंकि एक कोच की सफाई के लिए तीन कर्मचारी लगाये गये हैं और रैक के कोचों की संख्या के हिसाब से कर्मचारी लगाये जाएंगे और गाड़ी की हर हाल में नियत समय में सफाई हो जाएगी।

श्री वैष्णव ने यह भी बताया कि वंदे भारत एक्सप्रेस का उत्पादन बढ़ने वाला है और जल्द ही रायबरेली की मॉडर्न कोच फैक्टरी में वंदे भारत एक्सप्रेस बनना शुरू होने वाली है। यही नहीं अब वंदे भारत एक्सप्रेस का रंग नारंगी एवं ग्रे होगा, ना कि सफेद नीला। उन्होंने कहा कि यह निर्णय पूर्णतः वैज्ञानिक अध्ययन के निष्कर्ष पर आधारित है जिसमें कहा गया है कि आंखों को सबसे पहले नारंगी और पीला रंग सबसे पहले नज़र आता है। उन्होंने कहा कि वंदे भारत एक्सप्रेस की डिज़ायन में भी अनेक बदलाव किये गये हैं। उन्होंने कहा कि दिव्यांग यात्रियों की सहायता के लिए एक अनोखा रैम्प तैयार किया गया है जिससे व्हीलचेयर को सीधे कोच में लाया जा सकता है। ये रैंप गाड़ी में दिव्यांगों के लिए चिह्नित कोचों के गेट पर उपलब्ध होंगे।

रेल मंत्री ने यह भी बताया कि वंदे भारत एक्सप्रेस के स्लीपर कोचों की डिज़ायन को अंतिम रूप दे दिया गया है और इसी डिज़ायन के आधार पर प्रोटोटाइप का निर्माण शुरू हो गया है जो नवंबर दिसंबर तक पूरा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि फरवरी मार्च में वंदे भारत का स्लीपर संस्करण भारत की रेल पटरियों पर दौड़ने लगेगा। उन्होंने कहा कि चेन्नई की इंटीग्रल कोच फैक्टरी और भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड मिल कर वंदे भारत का स्लीपर संस्करण बना रहे हैं।

वंदे भारत एक्सप्रेस के इतर रेलवे के विकास के बारे में चर्चा करते हुए श्री वैष्णव ने कहा कि इस साल के बजट में पूंजीगत व्यय के लिए सकल बजटीय सहायता दो लाख 40 हजार करोड़ रुपए दी गयी है। आज चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही पूरी होने तक 59 प्रतिशत यानी एक लाख 40 हजार करोड़ रुपए का उपयोग किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि यह व्यय ढांचागत विकास, संरक्षा एवं अनुरक्षण के मद में किया गया है। उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में बाकी करीब एक लाख करोड़ रुपए की राशि का भी पूरा पूरा उपयोग कर लिया जाएगा।

एक सवाल के जवाब में रेल मंत्री ने कहा कि वह अगले वित्त वर्ष में भी इस वर्ष की तरह दो लाख 40 करोड़ रुपए की सकल बजटीय सहायता मिलने की अपेक्षा रखते हैं। कोशिश करेंगे कि इससे कहीं अधिक मिले।

नोएडा में शख्स ने महिला की हत्या की, जांच शुरू

नोएडा। नोएडा में एक व्यक्ति ने 23 वर्षीय एक महिला की हत्या कर दी। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। हमला करने वाले शख्स की पहचान नहीं हुई है। जबकि मृतका की पहचान हबीबपुर गांव निवासी पिंकी के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि ईको-टेक 3 थाने में अज्ञात व्यक्ति द्वारा सिर में चोट पहुंचाकर पिंकी की हत्या करने की सूचना मिली थी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, सूचना मिलने पर पुलिस अधिकारी और थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे। अधिकारी ने कहा, फोरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड को घटनास्थल पर बुलाया गया है और आवश्यक कानूनी कार्यवाही की जा रही है।अधिकारी ने कहा, घटनास्थल पर कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर कोई समस्या नहीं है और सभी पहलुओं पर पूरी तरह से जांच की जा रही है।

योक्ताओं के लिये उच्च वेतन पर पेंशन-वेतन विवरण का समय तीन महीने बढा

नयी दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन- ईपीएफओ ने ईपीएस -95 के अंतर्गत उच्च पेंशन के आवेदन के संबंध में वेतन आदि का विवरण देने के लिए नियोक्ताओं को तीन महीने का समय और दे दिया है।

केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने यहां बताया कि ईपीएफओ ने उच्च वेतन पर पेंशन के लिए विकल्प, संयुक्त विकल्प के सत्यापन के लिए आवेदन जमा करने के लिए एक ऑनलाइन सुविधा उपलब्ध कराई गई है। नियोक्ताओं और नियोक्ता संघों से प्राप्त आवेदनों में आवेदक पेंशनभोगियों और सदस्यों के वेतन विवरण अपलोड करने के लिए समय अवधि बढ़ाने का अनुरोध किया गया था। नियोक्ताओं को वेतन विवरण इत्यादि 30 सितंबर तक ऑनलाइन जमा करने के लिए तीन महीने की अतिरिक्त अवधि भी दी गई थी। मंत्रालय के अनुसार नियोक्ताओं और नियोक्ता संघों से फिर से कई आवेदन प्राप्त हुए हैं जिनमें आवेदक पेंशनभोगियों और सदस्यों के वेतन

विवरण अपलोड करने के लिए और समय अवधि बढ़ाने का अनुरोध किया गया है। इसलिए, अनुरोध पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया गया है और केंद्रीय न्यासी बोर्ड ने नियोक्ताओं के लिए वेतन विवरण आदि जमा करने के लिए समय 31.12.2023 तक बढ़ा दिया है। विकल्प और संयुक्त विकल्प के सत्यापन के लिए 5.52 लाख आवेदन अभी भी नियोक्ताओं के पास लंबित हैं। पेंशनभोगियों और सदस्यों से विकल्प और संयुक्त विकल्प के सत्यापन के लिए 17.49 लाख आवेदन प्राप्त हुए हैं।

नोएडा में खाना बनाते समय सिलेंडर से लगी आग, तीन झुग्गियां जलकर राख

नोएडा। थाना सेक्टर 63 क्षेत्र के बहलोलपुर गांव स्थित झुग्गी बस्ती में खाना बनाते समय आज सुबह को आग लग गई। धीरे-धीरे आग ने अन्य झुग्गियों को भी अपनी चपेट में ले लिया। झुग्गी वाले इस दौरान आग बुझाने में लगे रहे और इसकी सूचना अग्निशमन विभाग के अधिकारियों को दी।सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की दो गाड़ी घटनास्थल की ओर रवाना हुई। जब तक फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंची आग को पूरी तरह से स्थानीय लोगों द्वारा काबू में कर लिया गया था। सीएफओ प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि अग्निकांड में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। तीन झुग्गियां इस दौरान जलकर राख हुई हैं। आग से कितना नुकसान हुआ इसका आकलन किया जा रहा है। इस दौरान स्थानीय थाने की टीम भी मौके पर मौजूद रही। आग की लपटें दूर से ही दिखाई दे रही थीं। गनीमत रही कि आग के प्रसार को समय रहते रोक

दिया गया वरना अन्य झुग्गियां भी इसकी चपेट में आ जाती। हादसा सुबह करीब छह बजे हुआ है। इस दौरान फायर सर्विस यूनिट ने घटनास्थल पर मौजूद लोगो को अग्नि सुरक्षा से बचाव के उपाय बताए व सिलेंडर की आग बुझाने के तरीके बताए गए।

नोएडा में तेज रफ्तार कार की टक्कर से तीन गायों की मौत,दो घायल

नोएडा। थाना सेक्टर 39 क्षेत्र के सेक्टर-42 में रविवार सुबह पांच बजे के करीब काले रंग की क्रेटा

कार के चालक ने शराब के नशे में धुत होकर सड़क पर जा रही पांच गायों को टक्कर मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। तीन गायों की मौके पर ही मौत हो गई। दो अन्य का उपचार चल रहा है। आरोपी चालक घटना के बाद वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया था। पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया है।

सहायक पुलिस आयुक्त रजनीश वर्मा ने बताया कि मृत गायों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवाया गया है। घायल गायों का उपचार हो रहा है। उन्होंने बताया कि आरोपी कार चालक को हिरासत में ले लिया गया है। उन्होंने बताया कि इस मामले में जीत पाल पुत्र लखीचंद निवासी बरौला गांव ने थाना सेक्टर 39 पुलिस से शिकायत की है।

सूचना मिलते ही इस दौरान कई हिंदूवादी संगठनों के लोग भी पहुंच गए और आरोपी चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर हंगामा करने लगे। हालांकि पुलिस के समझाने के बाद वे वापस लौट गए। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि आरोपी चालक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई जाएगी ।जिस कार से हादसा हुआ है उसकी नंबर प्लेट भी मौके पर गिर गई।

गाज़ियाबाद में भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष के रिश्तेदार से मांगी थी 10 लाख की रंगदारी, मांगने वाला गिरफ्तार

गाजियाबाद। कारोबारी व भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष के रिश्तेदार से 10 लाख रुपये की रंगदारी मांगने वाले युवक को मोदीनगर थाने की पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार किया।

डीसीपी विवेक कुमार यादव ने बताया कि थाना मोदीनगर में राजकुमार

गुप्ता निवासी सुचेतापुरी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि कुछ लोगों ने उनसे जबरन 10 लाख रुपये की रंगदारी मांगी व रंगदारी ना देने पर जान से मारने की धमकी थी।

पुलिस ने अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए टीमों का गठन किया गया। अभियोग पंजीकृत होने के बाद भी अरुण वर्मा ने अपने साथियों के साथ षड्यंत्र कर गुप्ता को पुनः जान से मारने की धमकी दी।

इसके संबंध में 22 सितंबर को अभियोग पंजीकृत किया गया। पुलिस ने रंगदारी की मांग करने वाले गाजियाबाद जिले के गोविंदपुरी निवासी अरुण वर्मा को गिरफ्तार किया।

खबर दृष्टिकोण
स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आरती कश्यप द्वारा शौर्य प्रिंटर्स, शिवपुरी कालोनी, निकट बांसमण्डी चौराहा, लखनऊ से मुद्रित एवं 551घ/1316, निकट शराफत जनरल स्टोर, आजाद नगर, आलमबाग, लखनऊ- 226005 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक- आरती कश्यप, Mob. : 9555229060,9838938570 Email- khabardrishtikon@gmail.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा) R.N.I. NO.: UPHIN/2021/82210